RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 बेबी जॉन का हिस्सा...

वर्ष : 27 अंक : 10 website:www.chetnamanch.com नोएडा, मंगलवार, 31 दिसंबर, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

सर्वांगीड़ विकास व रोजगार के लिए प्रतिबद्ध है प्रदेश सरकार : सीएम

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सर्वांगीड़ विकास तथा युवाओं को रोजगार देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी मे जगह-जगह नय प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। यह बाद कही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने। आज नैनी में बायो-सीएनजी प्लांट का उद्घाटन करने के बाद वे संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के बाद करीब 200 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा यह कचरा प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन से जुड़ी लोकल इकॉनमी को बढ़ावा देगा। प्रयागराज नगर निगम कमिश्नर चंद्र मोहन गर्ग के मुताबिक इस प्लांट की स्थापना से निगम को राजस्व मिलेगा और रोज 200 टन गीले कचरे का निपटान किया जा सकेगा। यह प्लांट वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाने और क्षेत्र में विकास को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा।

इस बायो-सीएनजी प्लांट से रोज 21.5 टन बायो-सीएनजी और 209 टन जैविक खाद का उत्पादन होगा। यह प्रयागराज में घरों, होटलों, रेस्टोरेंट और मंदिरों से रोज निकलने वाले 200 टन गीले कचरे का इस्तेमाल करेगा। इस पहल से न सिर्फ कचरा प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि प्रयागराज नगर निगम को हर (शेष पृष्ठ-3 पर)

बिजली की खपत

पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर निर्मित यह प्लांट प्रयागराज नगर निगम की ओर से नैनी के जहांगीराबाद में अरैल घाट के पास दी गई 12.49 एकड़ जमीन पर स्थित है। इसका संचालन एवरएनवायरो रिसोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड नगर निगम के साथ 25 साल के एग्रीमेंट के तहत किया जा रहा है। इसके बाद प्लांट का संचालन नगर निगम को सौंप दिया जाएगा। प्लांट के संचालन के लिए रोज लगभग 1,250 यूनिट बिजली की खपत होगी।

125 करोड़ की लागत

नैनी में बायो-सीएनजी प्लांट, जैविक कचरे को ऊर्जा में बदलकर हर साल लगभग 56,700 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करके पर्यावरणीय स्थिरता में अहम योगदान देगा। यह पहल लैंडफिल से कचरे को तो हटाती ही है। बल्कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को भी कम करती है। 125 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह प्लांट प्रयागराज समेत पूरे उत्तर प्रदेश में इंडस्ट्रियल और रिटेल कस्टमर को बायो-सीएनजी सप्लाई करेगा।

भाजपा ने केजरीवाल को 'चुनावी हिंदू' बताया, जारी किया पोस्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले ही राजनीतिक दलों में घमासान मचा है। भाजपा और आम आदमी पार्टी एक-दूसरे पर वार-पलटवार करने का मौका नहीं छोड़ रही हैं। सोमवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पुजारी और ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा की।

इस पर आज दिल्ली भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल पर तंज कसते हुए पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में केजरीवाल को चुनावी हिंदू बताया गया है।

दिल्ली भाजपा के एक्स पर जारी पोस्टर में अरविंद केजरीवाल रुद्राक्ष की माला के साथ ही फूलों की माला भी पहने दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में लिखा है- चुनावी हिंदू। इस पोस्टर के बैकग्राउंड में घंटियां दिख रही हैं। पोस्टर में नीचे लिखा

है- मंदिर जाना है बस मेरे लिए एक छलावा, पुजारियों का सम्मान मेरा चुनावी दिखावा, सनातक धर्म का मैंने हमेशा मजाक उड़ाया।

इसके अलावा, सोशल मीडिया एक्स पर पोस्टर के साथ में भाजपा ने चुनावी हिंदू केजरीवाल कहते हुए लिखा जो 10 साल से इमामों को सैलरी बांटता रहा, जो खुद और उनकी नानी प्रभु श्रीराम का मंदिर बनने से खुश नहीं थे जिसने मंदिर और गुरुद्वारों के बाहर शराब के ठेके खोले, जिसकी पूरी राजनीति हिन्दू विरोधी रही, उसे अब चुनाव आते ही पुजारियों और ग्रंथियों की याद आई?

नए साल के जश्न के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था सख्त

नोएडा (चेतना मंच)। नए साल के जश्न को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया है। पूरे शहर को 3 सुपर जोन, 10 जोन, 27 सेक्टर और 119 सब-सेक्टर में विभाजित किया गया है। इन क्षेत्रों में कड़ी निगरानी और सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत, तीनों जोन के डीसीपी के नेतृत्व में नोएडा, सेंट्रल नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 8 डीसीपी, 5 एडीसीपी, 15 एसीपी, 75 एसएचओ, 750 उपनिरीक्षक, 117 महिला उपनिरीक्षक, 1470 हेड कांस्टेबल और 473 पुलिस कर्मियों की दिन-रात ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त, 7 कंपनी पीएसी बल को भी तैनात किया गया है। ये बल दंगा निरोधक उपकरणों से सुसज्जित रहेंगे।

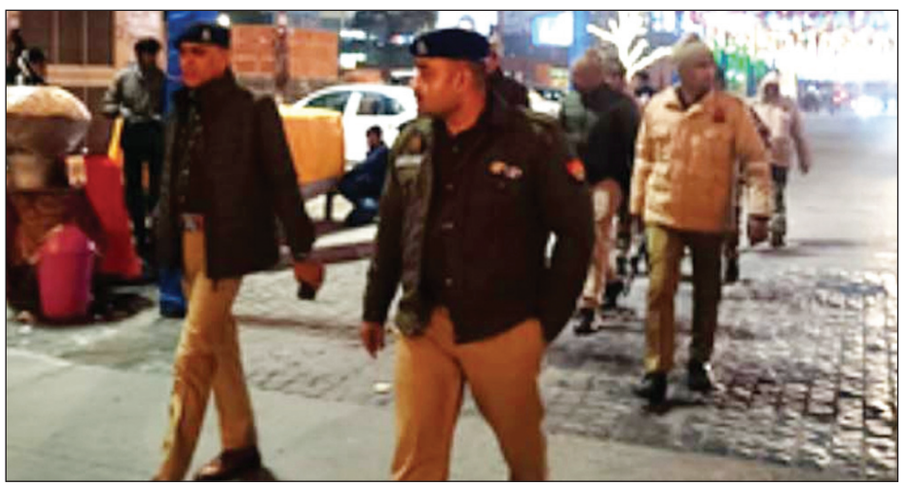

सुरक्षा बढ़ाने के लिए पीआरवी और पीसीआर वाहनों द्वारा निरंतर गश्त की जाएगी। साथ ही, पिनाक कमांडो और क्यूआरटी की टीमों को विभिन्न स्थानों पर रिजर्व में रखा गया है। डॉग स्क्वायड और बीडीएसएस टीम भी नियमित पेट्रोलिंग करेंगी। भीड़भाड़ वाले स्थानों और मॉल में संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ड्रोन सर्विलांस के (शेष पृष्ठ-3 पर)

मोबाइल चोरी कर खाते से 1.16 लाख रकम निकाली

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 क्षेत्र में चोरों ने एक व्यक्ति का मोबाइल फोन चोरी कर लिया। चोरों ने चोरी किए गए मोबाइल फोन से यूपीआई के जरिए पीड़ित के अकाउंट से 116000 रुपए निकाल लिए। मूल रूप से हरियाणा निवासी रोहित ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह हाल में मामूरा गांव में किराए पर रह रहा है। 19 दिसंबर को वह अपने ऑफिस से अपने घर आ रहा था। रास्ते में आते समय सेक्टर 64 के पास किसी व्यक्ति ने उसका फोन चोरी कर लिया। चोरी किए गए फोन के जरिए अज्ञात व्यक्ति ने यूपीआई के द्वारा उसके अकाउंट से 116000 निकाल लिए। नया सिम लेने पर उसे खाते से पैसे निकालने का मैसेज आया इसके बाद उसे इसकी जानकारी हुई। पीड़ित की शिकायत पर थाना फेस-3 पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

भाजपा अध्यक्ष ने मंडल अध्यक्षों का किया उत्साहवर्धन

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कल पार्टी हाईकमान द्वारा घोषित मंडल अध्यक्षों का स्वागत किया तथा मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

इसी कड़ी में पं. दीनदयाल उपाध्याय मंडल के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष शशिधर उपाध्याय को महानगर अध्यक्ष ने मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। इससे पूर्व नये मंडल अध्यक्ष ने सांसद डा.महेश शर्मा (शेष पृष्ठ-3 पर)

पुलिस ने लंगड़ा करके दो बदमाश दबोचे

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों पर पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। पकड़े गए बदमाशों के पास से तमंचा कारतूस चोरी की बाइक व अन्य सामान बरामद हुआ है।

नोएडा जोन के एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि थाना सेक्टर-49 पुलिस बीती रात्रि गस्त पर थी। पेट्रोल पंप से केंद्रीय विहार गोल चक्कर सेक्टर-50 नोएडा की तरफ जाने वाली सड़क पर बाइक सवार पुलिस को देखकर भागने लगा पीछा करने पर बाइक सवार ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में बाइक सवार के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया। पकड़े गए बदमाश के पास से एक तमंचा कारतूस मोबाइल फोन व चोरी की बाइक बरामद हुई। पूछताछ में बदमाश ने अपना नाम नदीम निवासी चांद वाली मस्जिद सलारपुर बताया। नदीम ने बताया कि कुछ दिन पहले उसने गौर सिटी के पास एक व्यक्ति से धोखे से फोन ले लिया था तथा उसके एटीएम से पैसे निकाल दिए थे। उससे बरामद हुई मोटरसाइकिल उसने कुछ दिन पहले

सलारपुर से चोरी की थी। पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया नदीम पूर्व में भी कई बार जेल जा चुका है इसके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

थाना कासना पुलिस ने भी मुठभेड़ के बाद एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। ग्रेटर नोएडा जोन के एडीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस टीम सिरसा गोल चक्कर पर चेकिंग कर रही थी। पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। ग्राम खानपुर के पास पुलिस टीम ने बाइक सवार को घेर लिया। भगाने के प्रयास में उसकी बाइक स्लिप होकर गिर गई। खुद को घिरा देखकर बाइक सवार ने पुलिस टीम (शेष पृष्ठ-3 पर)

'2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाने का लें संकल्प'

जिलाधिकारी ने टीबी मुक्त भारत की सभी अफसरों को शपथ दिलाई

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति-शासी निकाय की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए 24 मार्च 2025 (विश्व क्षय रोग दिवस) तक टीबी के लापता रोगियों को खोजने, टीबी से होने वाली टीबी मरीजों की मृत्यु दर को कम करने और टीबी से नए व्यक्तियों को संक्रमित न होने देने के प्रयासों में तेजी लाने के उद्देश्य से (शेष पृष्ठ-3 पर)

घरों से मोबाइल फोन चुराने वाला दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। घरों में घुसकर मोबाइल फोन व पर्स चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक चोर को थाना फेस 1 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए चोर के पास से चोरी के दो मोबाइल फोन व चाकू बरामद हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम हरौला गांव के पास गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर के इशारे पर पुलिस टीम ने दुकानों के पीछे छिपे एक व्यक्ति को दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से एक चाकू तथा दो मोबाइल फोन बरामद हुए। दोनों मोबाइल फोन पर पैटर्न लॉक लगा था जिन्हें पकड़ा गया युवक खोल नहीं पाया। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम अतुल कुमार पुत्र शिवराज सिंह निवासी बदायूं बताया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

विभिन्न स्थानों से तीन मादक द्रव्य तस्कर दबोचे

10.5 किलो गांजा बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस ने अलग-अलग स्थान से मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से करीब 10.5 किलो गांजा बरामद हुआ है।

थाना सेक्टर 63 प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि सीआईएसएफ के बंद पड़े अंडरपास के पास मादक पदार्थों का एक तस्कर खड़ा हुआ है। सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर पहुंचकर उक्त व्यक्ति को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से पॉलिथीन से 5 किलो 150 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम मोहन कुमार उर्फ मोनू पुत्र अशोक चौहान निवासी अलीगढ़ बताया। पकड़े गए मोहन कुमार ने बताया कि वह दिल्ली से गांजा खरीद कर लाता है। गांजे की सप्लाई वह एक महिला को देने के लिए आया था।

थाना दादरी पुलिस ने सेंट्रो कर में गांजा लेजा रहे एक तस्कर को गिरफ्तार किया। इसके पास से 4 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि बिरयानी पुल पर पुलिस टीम ने एक सेंट्रो कर को जांच के लिए रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर कर सवार भाग निकला। (शेष पृष्ठ-3 पर)

नववर्ष पर जश्न मनाएं, लेकिन जोश में होश न खोएं!

हुड़दंग मचाने पर सख्त कार्रवाई करें पुलिस : प्रशांत कुमार

लखनऊ (एजेंसी)। आज की रात नव वर्ष के आगमन पर जश्न का मजा लीजिए। लेकिन सीमाओं के अंदर रहकर। यदि हुडदंग मचाया तथा अराजकता दिखाई तो साल के पहले दिन कहीं हवालात की हवा न खानी पड़ जाए। पुलिस के डंडे अलग से लगेंगे।

जी हां,! उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक ने इस संबंध में हुड़दंग मचाने पर पुलिस को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने सभी जनपदों के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि नव वर्ष का जश्न मनाने के दौरान हुड़दंग मचाने वालों के ऊपर उत्तर प्रदेश पुलिस का जोरदार डंडा चलाया जाए। आदेश

में साफ कहा गया है कि नव वर्ष का जश्न मनाने की आड़ में कायदे-कानून तोड़ने वाले नागरिकों को उत्तर प्रदेश की पुलिस अच्छा खासा सबक सिखाएगी। नववर्ष 205 के अवसर पर सुरक्षा को देखते हुए DGP प्रशांत कुमार ने खास एडवाइजरी जारी की है। नववर्ष 2025 के अवसर पर उत्तर प्रदेश के DGP प्रशांत कुमार ने राज्य में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में कहा गया है कि नव वर्ष से संबंधित सभी आयोजनों की सूची तैयार की जाएगी और हाटस्पॉट को चिह्नित किया जाएगा। साथ ही राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाई जाएगी और नियमित फुट पेट्रोलिंग की जाएगी।

नववर्ष के दृष्टिगत कमिश्नरेट/जनपद के संवेदनशील स्थलों, आयोजन स्थलों, होटलों, क्लबों, मनोरंजन गृहों और सार्वजनिक स्थानों पर समुचित पुलिस प्रबंध किया जाएगा और विशेष सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

नववर्ष के स्वागत में सज-धजकर तैयार नोएडा!

नोएडा (चेतना मंच)। नए साल का जश्न मनाने के लिए नोएडा शहर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। रंग-बिरंगी लाइट्स और खूबसूरत आकृतियों ने पूरे शहर की रौनक को चार चांद लगा दिए हैं। नोएडा प्राधिकरण ने इस बार शहरवासियों को खास अनुभव देने के लिए सड़कों, बाजारों और प्रमुख स्थानों को आकर्षक तरीके से सजाया है।

नववर्ष-2025 के स्वागत के लिए नोएडा को जगह-जगह दुल्हन की तरह सजाया गया है। शहर के विभिन्न मार्केट, एलिवेटेड व अंडर पास, नोएडा प्रवेश द्वार समेत जगह-जगह नोएडा प्राधिकरण ने रंग-बिरंगी लाईटें लगाई। वहीं कई स्थानों पर पेड़ों तथा सड़क के किनारे लाइटों से सुसज्जित किया गया है। नोएडा की पॉश मार्केट और प्रमुख स्थानों में विभिन्न प्रकार की लाइटिंग की गई है, जिससे बाजारों की रौनक देखते ही बन रही है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

खुफिया एजेंसी

देश में साइबर अपराधों में लगातार आ रही तेजी सरकार और आम जनता की चिंता का सबब बनी हुई है। हालांकि सरकार के नियामक संगठन और खुफिया एजेंसियां लगातार सक्रिय हैं लेकिन अपराधी अपराध के नये-नये तौर-तरीकों से अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने में लगे हैं। यद्यपि, यह संकट विश्वव्यापी है, लेकिन देश में डिजिटलीकरण के प्रयासों के बाद इन अपराधों में तेजी आई है। इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर के इस माह के शुरुआत में आए आंकड़ों में बताया गया कि इस साल सितंबर तक देश में साइबर धोखाधड़ी से 11,333 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। चौंकाने वाली बात यह है कि इस दौरान स्टॉक ट्रेडिंग घोटालों में सर्वाधिक सवा दो लाख शिकायतें आईं और करीब साढ़े चार हजार करोड़ का नुकसान बताया गया। यह बताता है कि देश में साइबर अपराध का जाल कितना दायरा बढ़ा चुका है। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय की साइबर अपराधों पर नजर रखने वाली एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार देश में नवंबर तक साइबर धोखाधड़ी की बारह लाख शिकायतें आईं, जिनमें से 45 फीसदी मामलों को म्यांमार, लाओस व कंबोडिया आदि से अंजाम दिया गया। इस तरह ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं में साइबर सेंधमारा का मकड़जाल लगातार उपभोक्ताओं की मुसीबतों का सबब बन रहा है। मोबाइल स्पाइवेयर भी एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं, जो उपभोक्ताओं की आवश्यक गुप्त रूप से जानकारियां चुरा लेते हैं। जिसके सहारे वित्तीय फ्रॉड को अंजाम दिया जाता है। हाल के दिनों में साइबर अपराधों में नया तरीका डिजिटल अरेस्ट जुड़ गया है, जिसके जरिये देश की वित्तीय नियामक एजेंसियों व पुलिस के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये वसूले जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि साइबर हमलों के अलावा ऑनलाइन फ्रॉड और सेक्सटार्शन के मामले भी सामने आ रहे हैं। साथ ही डाटा चोरी, रैनसमवेयर, ऑनलाइन घृणा फैलाने, साइबर बुलिंग तथा नागरिक सेवाओं व अस्पतालों पर हमले के मामले सामने आते रहते हैं। इसमें शत्रु देशों की तरफ से देश की अर्थव्यवस्था व आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश भी शामिल होती है। विडंबना यह है कि देश में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये अलग से कड़ा कानून नहीं है। दूसरी ओर आईटी एक्ट में संशोधन कर लाए गए प्रावधान इन साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह से कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। साइबर अपराधों पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिये केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए साइबर को-ऑर्डिनेशन सेंटर को और अधिक प्रभावशाली बनाये जाने की जरूरत है, जिसने पिछले दिनों दक्षिण पूर्व एशिया से सक्रिय साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में पहल की थी। निस्संदेह, इस संकट के मुकाबले के लिये जहां सरकारों को सख्त कानून बनाने की जरूरत है, वहीं नागरिकों को इन अपराधों से बचने के लिये जागरूक करने की जरूरत है। जिसमें केंद्र व राज्य स्तर पर साइबर नियंत्रक पुलिस बल की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है।

दूरगामी लाभ का निर्णय है जिलों की समाप्ति का निर्णय

> ***प्रशासनिक दक्षता और लोकहितकारी सरकार की पहचान जनहित में कड़बे निर्णय लेने में भी संकोच नहीं करना होता है। सरकार की संवेदनशीलता और प्रशासनिक दक्षता का भी इसी से पता चलता है। खासतौर से राजनीतिक लाभ हानि से लिए गए निर्णय से अधिक भला नहीं हो पाता है।***

राजनीतिक लाभ हानि से जुड़े निर्णयों को बदलना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए जोखिम से कम नहीं होता। इस तरह के निर्णय करने में सरकारों को काफी संकोच करना पड़ता है क्योंकि किसी भी निर्णय को बदलते समय राजनीतिक गुणाभाग देखा जाता है और यही कारण है कि कई निर्णय ऐसे होते हैं जिनके लाख चाहने और प्रशासनिक दृष्टि से सही नहीं होने पर भी सरकारें ढ़ोये जाती है। इस मायने में राजस्थान की सरकार की सराहना करनी पड़ेगी कि राजनीतिक दृष्टि से निर्णय लेना मुश्किल व जोखिम भरा होने के बावजूद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के समय के जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण कर 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अब प्रदेश में 41 जिले और 7 संभाग रह गए हैं। दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीम का थाना, अनूपगढ़, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण और सांचौर जिला और बांसवाड़ा, सीकर और पाली संभाग को समाप्त करने का निर्णय ले लिया। निश्चित रुप से शुरुआत में इसका विरोध होगा, राजनीति से जुड़े लोगों द्वारा हवा भी दी जाएगी पर जब कोई दूरगामी जनहित का निर्णय लिया जाता है तो देर सबेर जनता उसे स्वीकार्य भी कर लेती है। राज्य सरकार द्वारा यही निर्णय नई सरकार बनते ही लिया जाता तो उसके मायने कुछ अलग होते और उस पर राजनीतिक द्वेषता का ठप्पा लगता वह अलग होता। आज भले ही विपक्ष द्वारा इस निर्णय पर प्रश्न उठाये जा रहे हो पर सही मायने में देखा जाए तो यह पूरी तरह से प्रशासनिक निर्णय है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के नए जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डा. ललित पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित कर परीक्षण करवाया और फिर राजनीतिक स्तर पर मंत्रीमण्डलीय समिति बनाकर सभी पक्षों का अध्ययन कर रिपोर्ट आने पर मंत्रीमण्डल की बैठक में मोहर लगाई गई। इसलिए एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि यह निर्णय किसी भी मायने में जल्दबाजी या राजनीतिक लाभ के लिए ना होकर पूरी तरह से प्रशासनिक दक्षता के लिए लिया गया निर्णय है। ना ही इसे जल्दबाजी में लिया निर्णय कहा जा सकता है। हांलाकि पूर्व सरकार ने नए जिले बनाने के लिए भले ही प्रशासनिक कमेटी बनाकर रिपोर्ट प्राप्त कर नए जिले बनाने का निर्णय किया पर यह सब अच्छी तरह से साफ हो जाना चाहिए कि चुनाव नजदीक होने के कारण पूर्व सरकार द्वारा नए जिले बनाने के निर्णय को आमलोगों ने पूरी तरह से राजनीतिक निर्णय के रुप में ही देखा गया।

भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार द्वारा गठित नए जिलों के गठन का प्रशासनिक दृष्टि से परीक्षण करवाया और इसमें कोई दो राय नहीं कि शुरुआत में इन जिलों और संभागों को समाप्त करने के निर्णय का विरोध हो पर यह विरोध इसलिए अधिक असर नहीं दिखा पाएगा कि आमनागरिक यह अच्छी तरह से समझता है कि अधिक और छोटे जिले बनने से सरकारी खर्चे अधिक बढ़ने के अलावा कोई खास प्राप्त होने वाला नहीं है। नए जिलों के लिए शुरुआती दौर में ही एक जिले के लिए कम से कम एक हजार करोड़ की व्यवस्था करनी होगी। जिला कलक्टर और जिला पुलिस एसपी के दफ्तर तो तत्काल शुरु करने के साथ ही अन्य विभागों के भी दफ्तर जिला स्तर पर खोलने से ही वास्तविक लाभ प्राप्त हो सकता है। अब इसे यों देखा जाए कि इस सबके लिए कितना बड़ा प्रशासनिक अमला तैयार करना होगा, कितनी अधिक आधारभूत सुविधाएं विकसित करनी होगी। सरकारी ऑफिस, सरकारी बंगले और ना जाने कितने ही कार्यों के लिए स्थान और आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ ही अधिकारियों-कर्मचारियों की नियुक्ति करनी होगी। इसके साथ ही अन्य सुविधाएं और अन्य सेवाएं अलग होगी। हमारे सामने पुराने उदाहरण है जब राजसमंद, प्रतापमढ़, दौसा जिले बनाए गए और करौली व प्रतापगढ़ जिले का गठन किया गया। अब सबके सामने है कि इन जिलों को सही मायने में जिलो का आकार लेने में कितना समय लगा। आज भी कई स्थानों पर फिजिबल नहीं होने के कारण जिला सहकारी बैंक नहीं खुल पाएं है तो कई अन्य सरकारी दफ्तर शुरु नहीं हो पाये हैं। दरअसल जन हितकारी सरकार की पहचान लोकहित में दूरगामी परिणामों को देखते हुए निर्णय लेना होता है। हांलाकि लोकतंत्र में बहुत से निर्णय राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण न चाहते हुए भी

लेने होते हैं तो कई बार ऐसा भी लगता है कि ऐन केन प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए इस तरह के निर्णय ले लिए जाते हैं।

प्रशासनिक दक्षता और लोकहितकारी सरकार की पहचान जनहित में कड़बे निर्णय लेने में भी संकोच नहीं करना होता है। सरकार की संवेदनशीलता और प्रशासनिक दक्षता का भी इसी से पता चलता है। खासतौर से राजनीतिक लाभ हानि से लिए गए निर्णय से अधिक भला नहीं हो पाता है। सरकार की प्रशासनिक और लोकहितकारी होने का इसी से पता चलता है कि वह जनहित में जोखिम भरे निर्णय लेने में भी कोई संकोच ना करें। लोकतंत्र में जनता और जनता का हित बड़ी बात होनी चाहिए क्योंकि सरकार द्वारा निर्णयों का असर दूर तक जाता है। कड़बे निर्णय यदि लोकहित में होते हैं तो जनता ऐसे निर्णयों को हाथोंहाथ लेती है। इसलिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सरकार बनने के पहले साल में ही बड़े निर्णय कर सबको चौंका दिया है। राजनीतिक लाभ हानि से परे हटकर मुख्यमंत्री ने 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय व्यापक जनहित में ही देखा जाना चाहिए।

आर्थिक विश्लेषकों को मानना है कि सरकार को अपने प्रशासनिक खर्चों को एक सीमा तक रखना चाहिए। हांलाकि सब कुछ जानते हुए भी होता इसके विपरीत ही है। सरकार राजस्व का अधिकांश खर्चा अपने प्रशासनिक दायित्वों वेतन-सुविधाओं में ही खर्च कर देती है वहीं नए जिले और संभाग बनने से प्रशासनिक खर्च बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी बात यह है कि नए जिले या संभाग बनाने के स्थान पर सरकारों को प्रशासनिक सेवाओं में सुधार और डिलीवरी सिस्टम को मजबूत बनाने पर जोर देना चाहिए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजनीतिक जोखिम लेते हुए प्रशासनिक दृष्टि से सराहनीय निर्णय किया है। इससे मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उनकी सरकार ने प्रशासनिक दृष्टि से परिपक्वता का परिचय दिया है। हो सकता है कि निर्णय को लेकर विरोध देखने को मिले पर विरोध के खिलाफ भी सरकार को सख्ती दिखानी होगी इससे आमजन में सरकार और सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों को सराहा ही जाएगा। सरकारों को राजनीतिक लाभ हानि के साथ ही व्यापक जनहित को भी ध्यान देना चाहिए और निर्णय लेने में किसी तरह का संकोच नहीं करना चाहिये। आज लोग निर्णय लेने वाली सरकार को पसंद करती है नाकि निर्णयों को टालने वाली सरकार को। इस मायने से भजन लाल शर्मा के एक साल के कार्यकाल का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए क्योंकि यह सरकार निर्णयों की सरकार बन गई है।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि तब नारदजी ने पूर्वजन्म की कथा सुनाकर सबको समझाया (और कहा) कि हे मैना! तुम मेरी सच्ची बात सुनो, तुम्हारी यह लड़की साक्षात जगज्जनी भवानी है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

अजा अनादि सक्ति अबिनासिनि। सदा संभु अरधंग निवासिनि॥
जग संभव पालन लय कारिनि। निज इच्छा लीला बपु धारिनि॥

ये अजन्मा, अनादि और अविनाशिनी शक्ति हैं। सदा शिवजी के अर्द्धांग में रहती हैं। ये जगत की उत्पत्ति, पालन और संहार करने वाली हैं और अपनी इच्छा से ही लीला शरीर धारण करती हैं॥

जनमीं प्रथम दच्छ गृह जाई। नामु सती सुंदर तनु पाई॥
तहँहुँ सती संकरहि बिबाहीं। कथा प्रसिद्ध सकल जग माहीं॥

पहले ये दक्ष के घर जाकर जन्मी थीं, तब इनका सती नाम था, बहुत सुंदर शरीर पाया था। वहाँ भी सती शंकरजी से ही ब्याही गई थीं। यह कथा सारे जगत में प्रसिद्ध है॥

एक बार आवत सिव संगा। देखेउ रघुकुल कमल पतंगा॥
भयउ मोहु सिव कहा न कीन्हा। भ्रम बस बेषु सीय कर लीन्हा॥

एक बार इन्होंने शिवजी के साथ आते हुए (राह में) रघुकुल रूपी कमल के सूर्य श्री रामचन्द्रजी को देखा, तब इन्हें मोह हो गया और इन्होंने शिवजी का कहना न मानकर भ्रमवश सीताजी का वेष धारण कर लिया॥

(क्रमशः...)

बुढ़ापे का दर्द (व्यंग्य)

गांव के एक पुराने, लेकिन कभी चहल-पहल से भरे घर के बरामदे में दादा जी बैठे थे। उनकी गोद में एक पुरानी डायरी और हाथ में एक कलम। उम्र ने उनके बालों को सफेद और पीठ को थोड़ा झुका दिया था, लेकिन आंखों में अब भी वह चमक थी, जो अनुभव और किस्सों से आती है। घर में चहल-पहल थी—नाती-पोते खेल रहे थे, बहुएं रसोई में थीं, और बेटा काम पर जाने की तैयारी कर रहा था। पर दादा जी उस शोर से कटे हुए थे, जैसे रेडियो के पुराने बैंड पर बजने वाला बेसुरा गाना।

दादा जी, आप क्यों हर छोटी-बड़ी बात में टांग अड़ाते हैं? 15 साल का अमन जोर से बोला। दादा जी ने चश्मा उतारा, मुस्कुराए और बोले, बेटा, जब मैं तुम्हारी उम्र का था, तो मेरे पिता भी मेरी हर बात में टांग अड़ाते थे। तब मुझे भी यही लगता था कि वे बेवजह रोक-टोक करते हैं। लेकिन आज समझ आया कि वे मुझे बचा रहे थे। खैर, तुम तो समझदार हो, अपनी मर्जी करो। अमन ने कानों पर हेडफोन चढ़ाए और चल दिया। दादा जी ने मन ही मन सोचा, शायद मेरी टांग अड़ाने की उम्र अब निकल गई है।

दोपहर का वक्त था। दादा जी खाने की मेज पर बैठे। प्लेट में पराठा और सब्जी थी, पर टेबल पर दवाइयों की लंबी कतार। बहू ने पूछा, दादा जी, दवाई ली? हां, बहू, सुबह का कैप्सूल लिया, अब पेट वाली गोली लेनी है। शाम को घुटने की दवा लूंगा। और अगर सब ठीक रहा, तो डॉक्टर को दिखाने भी जाऊंगा, दादा जी ने चुटकी ली। सब हंस पड़े, लेकिन दादा जी मन ही मन बोले, कभी एक चाय थकान मिटा देती थी, अब चाय के साथ मेडिकल रिपोर्ट लगती है।

शाम को दादा जी ने सोचा कि नाती-पोतों को अपनी जवानी की कहानी सुनाई जाए। उन्होंने बच्चों को बुलाया, अमन, कविता, आओ, तुम्हें अपनी शादी के वक्त की एक मजेदार बात सुनाऊं। अमन ने कहा, दादा जी, हमारे पास समय नहीं है। अभी गेम खेल रहे हैं। कविता ने झूठा बहाना बनाया, दादी बुला रही हैं। दादा जी चुपचाप अपनी डायरी के पन्ने पलटने लगे। हमारे सुनाने की चाह बढ़ती जा रही है, और सुनने वाले घटते जा रहे हैं, उन्होंने मन ही मन कहा।

अगली सुबह दादा जी पार्क में टहलने गए। वहां उन्होंने एक पुराने दोस्त, मिश्रा जी, को देखा। कैसे हो, मिश्रा जी? बस, जैसे सूखे पत्ते—पेड़ से गिरकर किसी कोने में पड़े हैं। मिश्रा जी ने कहा। हमारे बच्चे

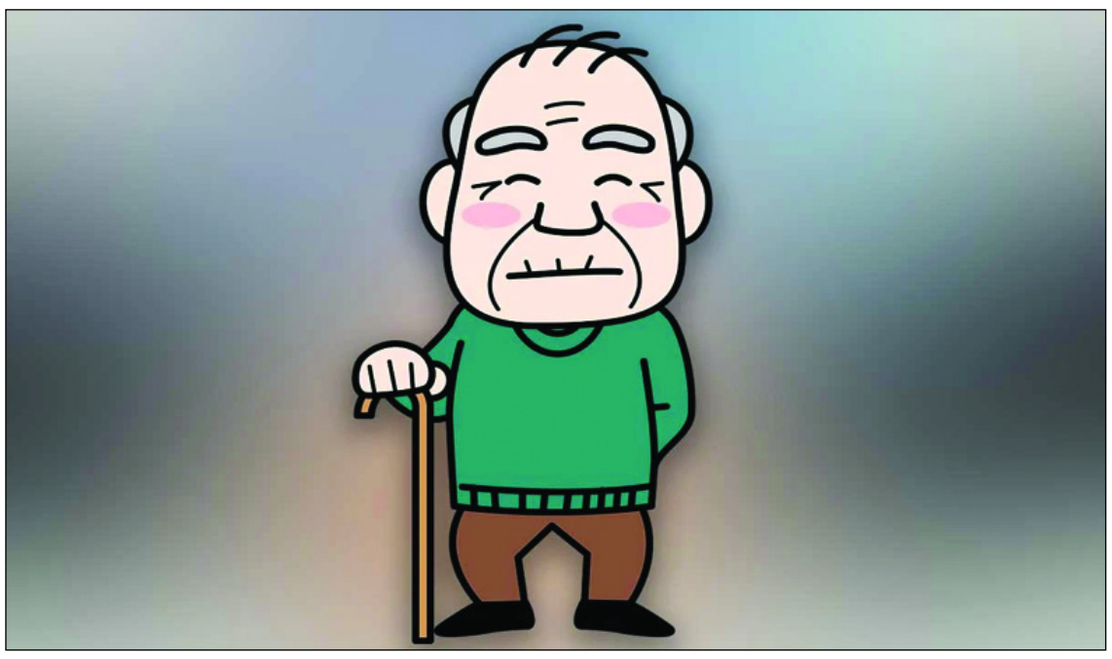

दौड़ रहे हैं, पर हमारे पास बैठने का वक्त नहीं, दादा जी ने गहरी सांस लेते हुए कहा। दोनों हंसते हुए बोले, चलो, चाय पीते हैं। यही हमारा 'टी-20 मैच' है।

दोपहर में घर के कोने से दादा जी की आवाज़ आई। वह अपनी डायरी में लिख रहे थे। कविता ने झांककर देखा। दादा जी, आप क्या लिख रहे हो? अपनी जिंदगी की कहानी। जब तुम बड़ी होगी, तो इसे पढ़कर मेरी आवाज सुन सकोगी। कविता पास आई, दादा जी, क्या मैं आपकी कहानी सुन सकती हूं? दादा जी का चेहरा खिल उठा। उन्होंने कहानी सुनानी शुरू की, और कविता ने पूरे ध्यान से सुनी। शायद बुढ़ापा तभी खूबसूरत बनता है, जब कोई तुम्हारी आवाज सुनने को तैयार हो।

रात को टीवी पर वृद्धाश्रम की एक रिपोर्ट देखी जा रही थी। बहू ने कहा, आजकल लोग अपने माता-पिता को वहीं छोड़ आते हैं। कितना बुरा लगता है। दादा जी मुस्कुराए, बहू, लोग ऐसा सोचते हैं कि ये अच्छा काम है। लेकिन शायद 'शायद' ही बुढ़ापे का सबसे बड़ा सहारा है। इसी शब्द से हर दर्द सहा जा सकता है।

एक दिन दादा जी ने घोषणा की, कल से मैं योगा क्लास जॉइन कर रहा हूं। शाम को भजन मंडली में गाऊंगा और रात को अपनी डायरी लिखूंगा। अमन ने चौंकते हुए पूछा, दादा जी, ये सब क्यों? क्योंकि जिंदगी का हर दिन आखिरी नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। अगर बुढ़ापे को हंसकर नहीं जिया, तो जिंदगी का मजा कैसे आएगा?

- डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

राशिफल

पौष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मान-सम्मान में ठेस न पहुंचे इस बात का ध्यान रखिएगा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
कोई रिस्क मत लीजिएगा। वाहन धीरे चलाएं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
नौकरी-चाकरी में कोई रिस्क मत लीजिएगा। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान और जीवनसाथी का स्वास्थ्य।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। ऊर्जा का स्तर घटा हुआ रहेगा। शत्रु उपद्रव करने की कोशिश करेंगे।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। स्वास्थ्य ठीक है। मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। प्रेम, संतान अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
पराक्रम में कमी रहेगी। व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी। स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। बाकी प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी रहेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन हानि के संकेत हैं। थोड़ा बचकर निवेश करें। कुटुंब से न उलझें। बाकी प्रेम, संतान मध्यम है। व्यापार ठीक रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
घबराहट, बेचैनी, मानसिक अवसाद बना रहेगा। ऊर्जा का स्तर भी घटा रहेगा। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
सर दर्द, नेत्र पीड़ा, कर्ज की अधिकता, खर्च की अधिकता। लेकिन फिर भी स्थिति संभली रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वंय के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
मीन राशि की स्थिति ठीक है। नौकरी-चाकरी में कोई रिस्क मत लीजिएगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

भाजपा मंडल अध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों की हुई घोषणा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के ज़िला चुनाव अधिकारी एवं एमएलसी विधायक विजय शिवहरे ने 6 मंडलों पर मंडल अध्यक्ष एवं मंडल प्रतिनिधि पर नियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा की।

उन्होंने बताया कि दादरी नगर अध्यक्ष राजीव सिंघल, प्रतिनिधि संगीता रावल, बादलपुर मंडलाध्यक्ष महेंद्र नागर, प्रतिनिधि दिनेश बघेल, दनकोर मंडल अध्यक्ष गजेन्द्र वाल्मीकि, प्रतिनिध हरिदत्त शर्मा कासना, दिनेश भाटी, प्रतिनिधि श्याम रावत, रबूपुरा मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार बोयरा, मंडल प्रतिनिधि शिवाकांत जाटव, जारचा मंडल अध्यक्ष धीर राणा, प्रतिनिधि जयवेंदर प्रधान को पदाधिकारी बनाये जाने पर सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों प्रतिनिधियों का भाजपा ज़िला कार्यालय तिलपता पर जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी के नेतृत्व में स्वागत किया गया। जिसमें मुख्यरूप से ज़िला महामंत्री योगेश चौधरी, धर्मेन्द्र कोरी, गुरुदेव भाटी, कर्मवीर आर्य, सत्यपाल शर्मा, इन्द्रजीत टाइगर, मनीष भाटी, सुशील शर्मा, रिंकु शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

1200-2000 रूपये मीटर का कुर्ता पायजामा पहनने वाले किसानों का दुःख-दर्द नहीं समझ सकते

भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने 'हवाबाज' नेताओं की निकाली हवा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कल जीरो पॉइंट पर हुई किसानों की महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने यह कह कर किसान नेताओं को हैरान कर दिया कि 1200 रुपए मीटर के कपड़े पहनने वाले कभी भी किसानों का दर्द एवं उनका आंदोलन नहीं कर सकते हैं।

पंचायत के समापन के बाद राकेश टिकैत ने मौजूद किसान नेताओं की चुटकी लेते हुए कहा कि 1200 से लेकर 2000 रूपये मीटर के कपड़े पहनकर जो नेता घूम रहे हैं तथा जो यहां बैठे हैं वह कभी भी किसी भी आंदोलन को ना तो बढ़ा सकते हैं और ना ही किसानों का दर्द समझ सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि किसान नेता आंदोलन में तो जाते हैं लेकिन अपने कपड़ों की क्रीज को मरने नहीं देते। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन स्वयं किसानों को संभालना पड़ेगा और उन्हें ही अपनी लड़ाई खुद लड़नी पड़ेगी। जैसे ही राकेश टिकट में 1200 मीटर कपड़े की बात मंच से की वहां बैठे कई किसान नेताओं के मुंह बन गए।

चौधरी राकेश टिकैत ने यह बड़ी बात कह कर किसान नेताओं को हैरानी में डालने के साथ-साथ उनकी हकीकत भी सार्वजनिक करने का काम किया है। इस बात की चर्चा पूरे जिले में जोरों पर हो रही है कि आखिर चौधरी राकेश टिकैत ने ऐसा क्यों कहा।

भाजपा को और मजबूत करेंगे नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष : भाटी

ग्रेटर नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के नेता मोहित भाटी (कुलीपुरा) ने कासना मंडल भाजपा के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष दिनेश भाटी को पार्टी के जिला कार्यालय तिलपता पर गुलदस्ता देकर बधाई दी है।

मोहित भाटी ने बधाई देते हुए कहा कि दिनेश भाटी पार्टी कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान को आगे बढ़ने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि दिनेश भाटी ने भारतीय जनता पार्टी की नीतियों एवं रीतियों को भी आगे बढ़ाने का काम करेंगे। उन्होंने भाजपा के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बाइक सवार बदमाशों ने जैप्टो डिलीवरी ब्वॉय का मोबाइल लूटा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 क्षेत्र के स्वानी फर्नीचर के पास बाइक सवार बदमाशों ने स्कूटी सवार को टक्कर मार कर गिरा दिया इसके बाद बदमाश उसका मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए।

दल्लूपुरा दिल्ली निवासी रवि कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह जैप्टो में काम करता है। 19 दिसंबर की रात को वह नोएडा के सेक्टर 57 में ऑर्डर देकर सेक्टर-8 आ रहा था। स्वानी फर्नीचर के पास पीछे से स्प्लेंडर बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार कर उसे गिरा दिया। इसके बाद दोनों बदमाश उसका मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और बदमाशों की तलाश की जा रही है।

महाकुंभ के लिए चलेंगी 13 हजार से अधिक ट्रेन : उपेन्द्र चंद्र जोशी

प्रयागराज (ब्यूरो)। महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे, उपेन्द्र चंद्र जोशी की अध्यक्षता में महाकुंभ मेला-2025 की तैयारियों से अवगत कराने के लिए प्रयागराज मंडल कार्यालय के सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित की गयी । इस प्रेस वार्ता में महाकुंभ मेला-2025 के लिए रेलवे द्वारा की गयी तैयारियों एवं योजनाओं से अवगत कराया ।

महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे ने प्रेस वार्ता में बताया कि रेलवे की सुविधाओं और योजनाओं से यात्री और श्रद्धालुओं को प्रचार प्रसार के माध्यम से अवगत कराया जा रहा है । श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महाकुंभ रेल सेवा- 2025 ऐप एवं वेब पोर्टल शुरू किया गया है इसे आसनी से नेविगेट किया जा सकता है । ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से दिशा-वार ट्रेन, मेला विशेष ट्रेन, स्टेशन पर यात्री आश्रय एवं यात्री सुविधाएँ, हेल्प लाइन नंबर एवं रेल टिकट बुक करने जैसे विविध सुविधाएं मिल सकेंगी ।

रेलवे ने 01 नवंबर, 2024 से टोल फ्री नंबर 1800 4199 139 जारी किया है । 01 जनवरी, 2025 से यह चौबीसों घंटे प्रति शिफ्ट चार ऑपरेटरों द्वारा संचालित किया जाएगा और मेला अवधि के दौरान उड़िया, तमिल / तेलगु, मराठी और बंग्ला जैसी भाषाओं में जानकारी उपलब्ध कराएगा । यात्रियों

की सुविधा के लिए बहुभाषी उदघोषणा प्रणाली शुरू की जा रही है । बहुभाषी उदघोषणा प्रणाली के माध्यम से महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को यात्रा संबंधित जानकारियां 12 भाषाओं - हिंदी, अंग्रेज़ी, गुजराती, मराठी, तामिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम, बंग्ला, उड़िया,पंजाबी एवं असमिया में उद्घोषित की जाएंगी ।

महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे ने प्रेस वार्ता में बताया कि महाकुंभ -2025 के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 13000 से अधिक गाड़ियां चलायी जाएंगी । 10,000 से अधिक नियमित गाड़ियां एवं 3000 से अधिक विशेष गाड़ियों का संचालन किया जाएगा । इनमें से 1800 गाड़ियों छोटी दूरी के लिए, 700 गाड़ियां लंबी दूरी के लिए और 560 गाड़ियां रिंग रेल पर चलायी जाएंगी । प्रयागराज-प्रयाग-अयोध्या-वाराणसी-प्रयागराज; प्रयागराज संगम-प्रयाग-जौनपुर-प्रयाग-प्रयागराज संगम; गोविंदपुरी-प्रयागराज-चित्रकूट-गोविंदपुरी एवं वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-गोविंदपुरी-प्रयागराज-मानिकपुर-चित्रकूट-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी मार्गों पर रिंग रेल की योजना तैयार कर ली गयी है ।

प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी, प्रयागराज छिवकी, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज संगम और झूंसी सहित कुल 9 रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ मेला क्षेत्र में यूटीएस, एटीवीएम, एमयूटीएस, पूछताछ और पीआरएस सहित कुल 560 टिकटिंग पॉइंट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन काउंटरों से प्रतिदिन लगभग 10 लाख टिकट वितरित किए जा सकेंगे । रेलवे ने कुंभ मेल के दृष्टिगत अब अग्रिम रेलवे टिकट 15 दिन पूर्व लेने की सुविधा शुरू कर दी गयी है ।

पृष्ठ एक के शेष....

सर्वांगीड़ विकास व रोजगार...

साल 53 लाख रुपये का राजस्व भी मिलेगा। जिन सब्जियों, फलों, फूलों और बचे हुए खाने को पहले फेंक दिया जाता था। अब हर दिन उन्हें 21,500 किलोग्राम बायो-सीएनजी और 209 टन जैविक खाद में बदला जाएगा।

टोटल 343 टन रोज की क्षमता वाला यह प्लांट रोज 21.5 टन बायो-सीएनजी, 109 टन ठोस जैविक खाद और 100 टन तरल जैविक खाद का उत्पादन करेगा। इसके पहले फेज में 200 टन क्षमता वाले शहरी कचरे का काम पूरा हो चुका है। गैस उत्पादन के लिए 143 टन धान की पराली और गोबर का इस्तेमाल करने का काम अभी चल रहा है।

भाजपा अध्यक्ष ने मंडल...

से मिलकर भी उन्हें मिठाई खिलाई तथा आशीर्वाद लिया। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, वरिष्ठ भाजपा नेता फेनरवा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक मिश्रा समेत कई लोग मौजूद थे।

बता दें कि हाईकमान ने नोएडा विधानसभा में 8 मे से 7 मंडल अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। अभी सरस्वती शिशु मंडल के अध्यक्ष की घोषणा होनी बाकी है। यहां पर दो लोगों के बीच पेंच फंस गया है।

नए साल के जश्न...

माध्यम से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जाएगी। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिग-जैग बैरियर, ब्रेथ एनालाइजर और स्पीडोमीटर का इस्तेमाल किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस और जोन पुलिस संयुक्त रूप से सेक्टर-18, अट्टा मार्केट, जीआईपी मॉल, गार्डन गलैरिया, गौर सिटी मॉल, सेक्टर-110 मार्केट, एच ब्लॉक मार्केट, एडवांट मॉल, जगत फार्म, वेनिस मॉल और परी चौक जैसे प्रमुख स्थानों पर जांच अभियान चलाएंगे।

बिना प्रशासनिक अनुमति के किसी कार्यक्रम की अनुमति नहीं होगी। सभी वाहन तय किए गए पार्किंग स्थलों पर ही खड़े किए जा सकेंगे। गलत पार्किंग पाए जाने पर वाहन को क्रेन से हटाया जाएगा। मॉल प्रबंधन को पार्किंग क्षेत्रों में उचित रोशनी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

ओवरस्पीड और नशे में वाहन चलाने वालों पर नजर रखने के लिए 115 चेकिंग प्वाइंट्स पर जिग-जैग बैरियर और 30 स्थानों पर ब्रेथ एनालाइजर लगाए जाएंगे। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए भीड़भाड़ वाले स्थानों के पास एंबुलेंस और फायर टेंडर की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन के लिए यह व्यापक व्यवस्था नए साल के जश्न को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए की गई है।

पुलिस ने लंगड़ा...

पर फायर कर दिया। पुलिस टीम द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। घायल बदमाश की पहचान सुमित उर्फ दीपक निवासी ग्राम रावपुरा जनपद अलीगढ़ के रूप में हुई। पकड़ा गया आरोपी हाल में मोहल्ला तुलसीनगर थाना दनकौर क्षेत्र में रह रहा है। इसके पास से एक बाइक, दो बैटरी, तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। पकड़ा गया आरोपी चोरी के मामले में वांछित चल रहा था पुलिस पूर्व में इसके साथ साथियों को चोरी के समान के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

नववर्ष पर जश्न...

महिलाओं के आवागमन के मार्गों पर समुचित पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाएगी। यूपी-112 के कर्मियों को भी समुचित ब्रीफ करते हुए उनका प्रभावी व्यवस्थापन किया जाएगा। नववर्ष के अवसर पर युवाओं द्वारा सड़कों पर मोटरसाइकिल/चारपहिया वाहन तेज गति से चलाए जाने के फलस्वरूप सड़क दुर्घटना आदि की प्रबल संभावना बनी रहती है। ऐसे में दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की चेकिंग ब्रेथ एनालाइजर द्वारा प्रभावी तौर पर सुनिश्चित की जाएगी। सोशल मीडिया की राउंड-द-क्लॉक मॉनिटरिंग की जाएगी। सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए भ्रामक/आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित होने पर संज्ञान में आते ही संबंधित के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए तत्काल अफवाहों का खंडन किया जाएगा।

नववर्ष के स्वागत में...

सेक्टर 18 मार्केट, ब्रह्मपुत्र मार्केट, और सेक्टर 62 गोल चक्कर सहित कई प्रमुख जगहों पर रंग-बिरंगी लाइट्स लगाई गई हैं, जो एक खुशनुमा माहौल तैयार कर रही हैं।

इन सजावटों में मोर की बड़ी आकृति की लाइटिंग विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। हरे-भरे पेड़ों पर लगाई गई झिलमिलाती लाइट्स ने अलग ही चमक बिखेर दी है।

दूर-दूर तक फैली विभिन्न डिजाइन की लाइट्स हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। दुकानों, पेड़ों और चौराहों पर लगी इन लाइटों की खूबसूरती को देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो रहे हैं।

नोएडा की सड़कों और बाजारों में इस बार का यह खास सजावट का नजारा देखने लायक है। नए साल के जश्न को यादगार बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने विशेष तैयारी की है, जिससे शहरवासियों और पर्यटकों को एक शानदार अनुभव मिल रहा है।

घरों से मोबाइल...

अतुल कुमार ने बताया कि उसके पास से बरामद मोबाइल फोन उसने हरौला गांव में किराए के कमरों में सो रहे व्यक्तियों के चोरी किए हैं। वह मौका पाकर उस कमरे में घुस जाता था जिसका दरवाजा खुला होता था। मोबाइल चोरी करने के बाद वह मौके से रफूचक्कर हो जाता था। पकड़े गए आरोपी ने चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

'2025 तक भारत को...

100 दिवसीय सघन टीबी अभियान जनपद में संचालित किया जाना है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग, श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास, आयुष विभाग आदि विभागों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान को जनपद सफल बनाने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों द्वारा माइक्रो प्लान बनाया जाए। वहीं व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित किया जाये ताकि टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग और परीक्षण कराते हुये प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट किया जाये। उन्होंने कहा कि कोविड-19 प्रबंधन के अनुरूप ही टीबी नियंत्रण अभियान को आगे बढ़ाएं। इसके लिए आशा, आंगनवाड़ी और एएनएम कार्यकर्ता घर-घर जाकर टीबी स्क्रीनिंग की कार्रवाई को आगे बढ़ाए ताकि शासन की मंशा अनुरूप वर्ष 2025 तक जनपद टीबी मुक्त हो सके। आयोजित बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को टीबी मुक्त भारत के लिए शपथ भी दिलाई गयी।

बैठक में यूनिसेफ जिला मोबिलाइजेशन समन्वयक आशीष सक्सेना द्वारा वीएचएसएनडी पर दी जाने वाली सेवाओं, लॉजिस्टिक्स एवं टीकाकरण से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि जनपद के जिला तंबाकू नियत्रंण प्रकोष्ठ डा0 श्वेता खुराना द्वारा सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादन कोटपा 2003 अधिनियम के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में कार्यवाही की गयी, जिसमें 709 लोगों पर जुर्माना लगाते हुये कुल 1,39,000 रू धनराशि वसूल की गयी। ई-सिगरेट के अन्तर्गत 2584 कार्यवाही करते हुये, इस सिगरेट जप्त कुल धनराशि 1,01,88,800 रू वसूल की गयी एवं 409 शैक्षणिक संस्थानों में तम्बाकू नियत्रंण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला अधिकारी द्वारा जिला तंबाकू नियत्रंण प्रकोष्ठ डा0 श्वेता खुराना को सराहनीय कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। आयोजित बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुनील शर्मा, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार, डीपीएम मंजीत कुमार एवं सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विभिन्न स्थानों...

पुलिस टीम ने पीछा कर कर को रुकवा लिया और चालक को दबोच लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें से 4 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में कर चालक ने अपना नाम अरशद पुत्र सागर निवासी जनपद बुलंदशहर बताया। अरशद ने बताया कि वह बुलंदशहर से गांजा खरीद कर लाया था और इसे बेचकर वह मुनाफा कमाता है।

थाना सेक्टर-20 पुलिस ने अगस्त के दौरान फिल्म सिटी के गंदे नाले के पास से खुर्शीद पुत्र मोहम्मद जमील निवासी जेजे कॉलोनी सेक्टर-16 को गिरफ्तार किया इसके पास से 1 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर इन्हें न्यायालय में पेश किया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में सोने और चांदी की कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना जताई जा रही है और यह वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। वहीं सोमवार को सोना 10 रुपए गिरकर 77,830 रुपए पर कारोबार कर रहा है, चांदी 100 रुपए गिरकर 92,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर देखी गई है। एक वेबसाइट के अनुसार सोमवार को शुरूआती कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 10 रुपये की गिरावट आई और 10 ग्राम कीमती धातु की कीमत 77,830 रुपये पर आ गई। चांदी की कीमत में भी 100 रुपये की गिरावट आई और एक किलोग्राम कीमती धातु की कीमत 92,500 रुपये पर आ गई।

सिटीकेम इंडिया के आईपीओ पर 31 तक लगा सकते हैं दाव

नई दिल्ली। सिटीकेम इंडिया लिमिटेड के आईपीओ को 27 दिसंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है और इसमें निवेशक 31 दिसंबर तक दांव लगा सकते हैं। इस आईपीओ को निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। लिस्टिंग से पहले यह आईपीओ ग्रे मार्केट में धमाल मचा रहा है। यह एक फिक्स प्राइस आईपीओ है। 70 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से आईपीओ के तहत कुल 12.60 करोड़ रुपये जुटाने के लिए 18 लाख शेयर की बिक्री की जाएगी। शेयर अलॉटमेंट को 1 जनवरी को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है और कंपनी के 3 जनवरी को स्टॉक एक्सचेंजों में लिस्ट होने की उम्मीद है। इस आईपीओ का मिनिमम लॉट साइज 2000 शेयर का है और शेयर की कीमत 70 रुपये रखी गई है। इस तरह रिटेल कैटेगरी में मिनिमम इन्वेस्टमेंट 1,40,000 रुपये का होगा।

रुपया पांच पैसे गिरकर 85.53 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को शुरूआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ 85.53 प्रति डॉलर पर आ गया। आयातकों की ओर से डॉलर की भारी मांग, विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के बीच निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जिसका दबाव घरेलू मुद्रा पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि शुक्रवार को रुपये में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया तथा सोमवार को दिसंबर मुद्रा वायदा की समाप्ति तथा बकाया वायदा में परिपक्वता से जुड़ी डॉलर की भारी मांग के बीच रुपये में कमजोरी देखी गई।

खुदरा उद्योग के लिए 2025 बदलाव का वर्ष होगा

नई दिल्ली। नए वर्ष का भारतीय खुदरा उद्योग का दृश्य व्यापक और आशावादी है। त्वरित-वाणिज्य माध्यमों के तेजी से विकास और ओएनडीसी के उदभव के साथ खुदरा उद्योग नये दौर में प्रवेश कर रहा है। एआई और स्वचालन की नई युग की प्रौद्योगिकियां खुदरा सेक्टर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। आपूर्ति श्रृंखला दक्षताओं के निर्माण और लॉजिस्टिक्स के अपग्रेड के साथ, रोजगार सृजन भी उम्मीद है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार 2024 में भारतीय खुदरा सेक्टर के लिए चुनौतियां और अवसरों का मिश्रण दिख रहा है। खुदरा विक्रेताओं ने प्रौद्योगिकी का उपयोग करके परिचालन और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने का प्रयास किया है।

अजय पॉली लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित रेफ्रिजरेशन सीलिंग सॉल्यूशंस कंपनी अजय पॉली लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक अजय पॉली लिमिटेड का 1 रुपये अंकित मूल्य वाला ये आईपीओ 238 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों के निर्गम और प्रमोटर और निवेशक विक्रय शेयरधारकों द्वारा 93,00,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण है।

अदानी एंटरप्राइजेज का राजस्व 1,56,343 करोड़ पहुंचने का अनुमान

❖ कंपनी का मुनाफा 45.8 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ने की संभावना

एजेंसी

नई दिल्ली। अदाणी इंटरप्राइजेस लिमिटेड (एईएल) का राजस्व वित्त वर्ष 2023-24 से 2026-27 के दौरान सालाना आधार पर 17.5 प्रतिशत बढ़कर 1,56,343 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। इस दौरान कंपनी का मुनाफा 45.8 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ने की संभावना है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एईएल भारत के सबसे बड़े सूचीबद्ध इनक्यूबेटर में से एक है। इसने कई सफल व्यवसायों की परिकल्पना की है, उन्हें विकसित और परिपक्व बनाया है। इनमें बंदरगाह कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड, शहर गैस वितरक अदाणी टोटल गैस, बिजली पारेषण कंपनी अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी पावर और जिंस कंपनी अदाणी विल्मर शामिल हैं। कंपनी हवाई अड्डा, सौर मॉड्यूल और पवन टर्बाइन, हरित हाइड्रोजन, सड़क निर्माण, डेटा सेंटर और तांबा क्षेत्र में कार्यरत है। रिपोर्ट के अनुसार कई सफल उद्योग-अग्रणी व्यवसायों की इनक्यूबेटर एईएल भविष्य की वृद्धि को गति देने के लिए महत्वाकांक्षी रूप से हरित हाइड्रोजन और इसके पारिस्थितिकी तंत्र में विविधता ला रही है। नवंबर, 2024 में अमेरिकी न्याय विभाग (यूएसडीओजे) के नोटिस के बाद शेयर बाजार में अस्थिरता के बावजूद एईएल ने वित्त वर्ष 2024-25 में मजबूत बुनियादी बातों और परिचालन आधार के जरिये अच्छा प्रदर्शन किया है। इसे सेकी से साइट योजना के अंतर्गत 101.5 मेगावाट प्रति वार्षिक इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण सुविधा के लिए ठेका मिला है। ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन (साइट) योजना के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप एक वित्तीय कार्यक्रम है जो भारत में हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और इलेक्ट्रोलाइजर के निर्माण का समर्थन करता है। यह योजना राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का हिस्सा है, जिसका परिव्यय 2029-30 तक 19,744 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2024-2027 के दौरान एईएल का राजस्व 17.5 प्रतिशत बढ़कर 1,56,343 करोड़ रुपये, ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन-पूर्व कमाई (ईबीआईटीडीए) 37.5 प्रतिशत बढ़कर 28,563 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 45.8 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 9,245 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है ईबीआईटीडीए और शुद्ध मार्जिन क्रमशः 6.47 प्रतिशत बढ़कर 18.3 प्रतिशत और 2.55 प्रतिशत बढ़कर 5.9 प्रतिशत हो सकता है।

कैरारो का शेयर निर्गम मूल्य से 7.52 प्रतिशत गिरावट के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। कैरारो इंडिया लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 704 रुपये से 7.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 660 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 6.25 प्रतिशत की गिरावट को दिखाता है। बाद में यह 10 प्रतिशत फिसलकर 633.30 रुपये पर आ गया। एनएसई पर शेयर 7.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 651 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,679.15 करोड़ रुपये रहा। कैरारो इंडिया लिमिटेड के 1,250 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन 1.12 गुना अभिदान मिला था।आईपीओ के लिए 668-704 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। कैरारो इंडिया लिमिटेड ऑफ-हाइवे वाहनों तथा कृषि व विनिर्माण उपकरणों के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम बनाती है। आईपीओ पूरी तरह से कैरारो इंटरनेशनल एस ई द्वारा 1,250 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) था।

वित्त मंत्री ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ की बजट पूर्व पांचवीं बैठक

❖ वित्त मंत्री सीतारमण आगामी वित्त वर्ष 2025-26 का केंदीय बजट एक फरवरी, 2025 को संसद में पेश करेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ पांचवीं बजट-पूर्व परामर्श बैठक की। सीतारमण की अध्यक्षता में यह बैठक आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारियों के हिस्से के रूप में आयोजित की गई, जिसमें उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्री को कई सुझाव दिए। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री सीतामरण ने आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 के संबंध में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ पांचवीं बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए वित्त मंत्री ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से सुझाव भी लिए। इन सुझावों से आगामी केंद्रीय बजट में प्रमुख आर्थिक प्राथमिकताओं और क्षेत्रीय चुनौतियों को सुनिश्चित किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार इस बैठक में वित्त सचिव और, निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव और आर्थिक मामलों के विभाग और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने बैठक के दौरान अर्थव्यवस्था पर अपने विचार रखे। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री सीतारमण आगामी वित्त वर्ष 2025-26 का केंदीय बजट एक फरवरी, 2025 को संसद में पेश करेंगी। बजट पूर्व परामर्श बैठक केंद्रीय बजट को आकार देने से जुड़ा आवश्यक कदम है, जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है।

तेनाली रामा में पंकज बेरी ने चतुर राजगुरु तथाचार्य की भूमिका दोहराई है

एजेंसी

मुंबई। सोनी सब पर तेनाली रामा शो में चतुर और मजाकिया राजगुरु तथाचार्य की वापसी भी शामिल है, जिसका किरदार प्रतिभाशाली और अनुभवी अभिनेता पंकज बेरी ने निभाया है। राजा कृष्णदेवराय के दरबार में विद्वान और सलाहकार तथाचार्य तेनाली रामा के लिए चुनौतियां खड़ी करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वह विजयनगर लौट रहा है। तेनाली के उस राज्य में वापस लौटने के साथ, जहां से उसे निर्वासित किया गया था, तथाचार्य उसे चकमा देने और राजा कृष्णदेवराय के दरबार में अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए पहले से कहीं अधिक दृढ़ संकल्पित है। पंकज बेरी ने कहा, तथाचार्य बुद्धि, शरारत और आकर्षण से भरपूर है, जिससे उसे निभाना चुनौतीपूर्ण और आनंददायक दोनों है। उसकी विचित्रताओं और हास्य को जीवंत करना एक पुरस्कृत अनुभव रहा है। तथाचार्य के बारे में मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है, वह है मनोरंजन करने की उसकी क्षमता, चाहे वह तेनाली के साथ उसकी प्रतिद्वंद्विता के माध्यम से हो या उसकी मनोरंजक हरकतों के माध्यम से। तथाचार्य और तेनाली की प्रतिद्वंद्विता को नई ऊंचाइयों पर पहुँचते हुए देखें क्योंकि वे एक बार फिर आपस में भिड़ जाते हैं।

अमेजन इन के होम शॉपिंग स्प्री के साथ मनाएं नए साल का जश्न

रांची। अमेजन इन के होम शॉपिंग स्प्री के साथ नए साल का जश्न धूमधाम से मनाएं, जिसमें ग्राहकों को वाटर हीटर्स, किचन एप्लाएंसेस, फर्नीचर और अन्य कई उत्पादों के विस्तृत चयन पर आकर्षक ऑफर्स और कैशबैक मिलेगा। ग्राहक 3 जनवरी से लेकर 7 जनवरी, 2025 तक के सभी अन्य ऐसे कई शीर्ष ब्रांड्स पर आकर्षक डील्स का नए साल पर लाभ उठा सकते हैं। यहां अमेजन इन पर विक्रेताओं की रोमांचक डील्स के साथ कुछ लोकप्रिय होम, किचन और आउटडोर उत्पाद दिए गए हैं: ओरिएंट इलेक्ट्रिक अरेवा पोर्टेबल रूम हीटर: यह रूम हीटर बेहतर गर्माहट के लिए उन्नत सुरक्षा सुविधाओं के साथ बहुमुखी दो-तरफा प्लेसमेंट प्रदान करता है। इसकी 2300 आरपीएम मोटर और एडजस्टेबल हीट सेटिंग पूरे सर्दियों के मौसम में आराम सुनिश्चित करती है। हैवेल्स के 25 लीटर स्टोरेज वाटर हीटर के साथ बेहतरीन हीटिंग की गर्माहट का अनुभव करें। इसका हैवी-ड्यूटी हीटिंग एलिमेंट उच्च प्रदर्शन और त्वरित हीटिंग सुनिश्चित कर आपकी पानी गर्म करने की जरूरतों के लिए एक बेहतर विकल्प बन जाता है।

वेंटीव हॉस्पिटैलिटी का शेयर निर्गम भाव से 12 फीसदी तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। वेंटीव हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड का शेयर अपनी निर्गम कीमत 643 रुपये से करीब 12 फीसदी की तेजी के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 11.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 718.15 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 16.45 प्रतिशत चढ़कर 748.80 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 11.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 716 रुपये पर शुरूआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 16,931.77 करोड़ रुपये रहा। वेंटीव हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड के 1,600 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन पिछले मंगलवार को 9.82 गुना अभिदान मिला था।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने आउटलेट के साथ झारखंड में किया विस्तार

❖ झारखंड के हजारीबाग के पुरानाइचक में एक नया बैंकिंग आउटलेट लॉन्च किया

❖ झारखंड राज्य में कुल 92 बैंकिंग आउटलेट और पूरे देश में 1019 आउटलेट हो गए

हजारीबाग। झारखंडः उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड झारखंड के हजारीबाग के पुरानाइचक में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की गर्व से घोषणा करता है। इस लॉन्च के साथ, बैंक ने झारखंड में 92 और देश भर में 1019 बैंकिंग आउटलेट खोल लिए हैं। पुरानाइचक, हजारीबाग के निवासियों को बचत खाते, चालू खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित बैंकिंग उत्पादों के व्यापक सूट से लाभ होगा। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता है, जैसे कि आवास ऋण, व्यवसाय ऋण, संपत्ति के खिलाफ ऋण, ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढांचा, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं और एटीएम नेटवर्क एक सहज बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ गोविंद सिंह ने कहा, पुरानाइचक में हमारे नए बैंकिंग आउटलेट का उद्घाटन झारखंड में हमारे पदचिह्न को मजबूत करने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अपने हरे-भरे परिदृश्य और ऐतिहासिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध हजारीबाग हमारी नई शाखा के लिए एक सुरम्य और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध पृष्ठभूमि प्रदान करता है।

2024 में दिखा बिरयानी को लेकर रांची का प्यार

फ्लेवर व फ्लेयर के साथ शहर के लोगों ने लिया स्विगी का आनंद

रांची। सादगी और आकर्षण से भरपूर रांची ने 2024 में खाने को लेकर अपने प्यार के माध्यम से पाक कला की एक अलग ही चमक बिखेरी है। इस प्यार को स्विगी ने बस बटन दबाते ही डिलीवर कर दिया। स्वादिष्ट बिरयानी से लेकर स्वादिष्ट मिठाइयों तक, स्विगी रांची के लजीज रोमांच का सबसे बड़ा साथी बन गया, जिसने शहर के हर कोने से स्वाद को लेकर लोगों की भूख मिटाई। रांची एक ऐसा शहर है, जो अपने खाने को भी क्रिकेट जितना ही पसंद करता है। यहां चिकन बिरयानी खाने के मामले में निर्विवाद बादशाह बनकर उभरी है। पूरे साल में इसके लिए 1.45 लाख ऑर्डर मिले।अकेले आईपीएल के दौरान रांची में चिकन बिरयानी की 28 हजार प्लेट का ऑर्डर हुआ, जिससे यह साबित होता है कि क्रिकेट और बिरयानी की जोड़ी वाकई में स्वर्ग से बनकर आई है। इस साल बिरयानी का सबसे ज्यादा लुत्फ 29 इनकॉग्निटो ऑर्डर के जरिये उठाया गया, जहां लोगों ने इस पसंदीदा डिश का चुपके से मजा लिया।

बीमा कंपनियों ने 82 फीसदी दावों का किया निपटारा

❖ बीमा कंपनियों ने 1.1 लाख करोड़ रुपए के 3 करोड़ दावे दर्ज किए गए

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024 में भारतीय बीमा कंपनियों ने स्वास्थ्य इंश्योरेंस क्लेम करने वाले 100 पॉलिसी होल्डर में से 82 को ही भुगतान किया है, जैसा कि बीमा नियामक इरडा ने जानकारी दी है। इस वर्ष, बीमा कंपनियों ने 1.1 लाख करोड़ रुपए के 3 करोड़ दावे दर्ज किए, जिसमें से लगभग 2.7 करोड़ दावों का निपटान किया गया और 83,493 करोड़ रुपए का भुगतान पॉलिसीधारकों को किया गया। पिछले वर्षों के 6,290 करोड़ रुपए के 17.9 लाख लंबित दावे भी थे, जिनमें से 15,100 करोड़ रुपए के दावे पॉलिसी अनुबंध की शर्तों और नियमों के अनुसार अमान्य घोषित किए गए। वित्त वर्ष में बीमा कंपनियों ने स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम के रूप में 1.1 लाख करोड़ रुपए इकट्ठा किया, जिसमें सरकारी कंपनियों ने 40,993 करोड़ रुपए, प्राइवेट कंपनियों ने 34,503 करोड़ रुपए और स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमाकर्ताओं ने 32,180 करोड़ रुपए जमा किए। दावे के निपटान में 72 फीसदी दावे टीपीएएस के माध्यम से निपटाए गए, जबकि 28 फीसदी दावे कंपनी के इन-हाउस सिस्टम से निपटाए गए। भुगतान की विधि के बारे में, 66.16 फीसदी दावे कैशलेस मोड में निपटाए गए, जबकि 39 फीसदी दावे रीइंबर्समेंट मोड में निपटाए गए। इस वर्ष बीमा लोकपाल कार्यालय को स्वास्थ्य बीमा से संबंधित 34,336 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसमें से 6,235 शिकायतों का निर्णय पॉलिसीधारक के पक्ष में हुआ। सबसे अधिक शिकायतें मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, और चंडीगढ़ से प्राप्त हुईं। समग्रता में वित्त वर्ष 2024 में बीमा कंपनियों ने पॉलिसीधारकों को 83,493 करोड़ रुपए का भुगतान करके स्वास्थ्य बीमा खाते में परिपूर्ण सहायता प्रदान की।

शुल्क 89 डॉलर प्रति टन से लेकर 707 डॉलर प्रति टन तक बढ़ सकता है

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने घरेलू उत्पादकों को संरक्षण देने के उद्देश्य से चीन समेत छह देशों से आयात होने वाले पीवीसी पेस्ट रेजिन पर पांच साल तक डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य है भारतीय उत्पादकों को विदेशी उत्पादकों से हो रहे अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाना है। व्यापार उपचार इकाई (डीजीटीआर) ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि भारत में डंपिंग होने की वजह से घरेलू उद्योगों को नुकसान हो रहा है। इसके चलते डीजीटीआर ने पीवीसी पेस्ट रेजिन के आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क की सिफारिश की है। यह सिफारिश लागू होने पर शुल्क की सीमा 89 डॉलर प्रति टन से लेकर 707 डॉलर प्रति टन तक हो सकती है।

हर्शेज बनेगी दुनिया की सबसे बड़ी चॉकलेट कंपनी

❖ कंपनी की शुरूआत मिल्टन हर्शे ने की थी, आज रेवेन्यू सालाना 93 हजार करोड़ से ज्यादा

एजेंसी

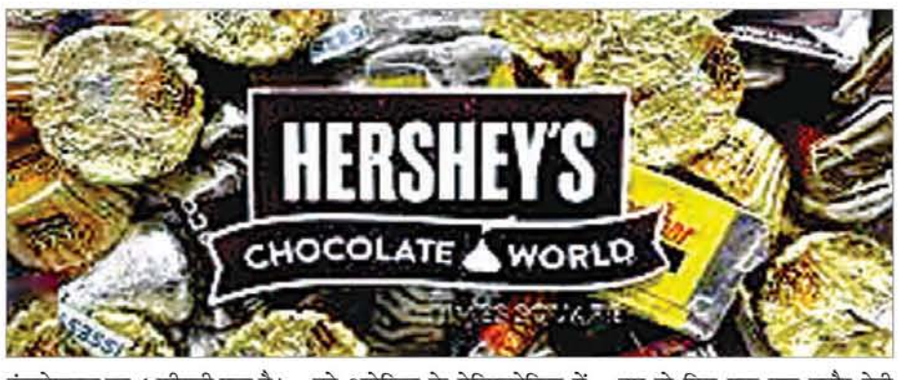

नई दिल्ली। मशहूर चाकलेट कैडबरी की कंपनी मोंडेलेज इंटरनेशनल चॉकलेट कंपनी हर्शेज के साथ मर्जर होने पर विचार कर रही है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक मोंडेलेज ने हर्शेज को मर्जर का ऑफर भेजा है। अगर कंपनी का मर्जर होता है तो ये दुनिया की सबसे बड़ी चॉकलेट और मीठे प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी बन जाएगी। हाल ही में हर्शेज का शेयर प्राइस 19 फीसदी बढ़ा है जबकि मोंडेलेज इंटरनेशनल का 4 फीसदी घटा है। कंपनी की शुरूआत अमेरिका के मिल्टन हर्शे ने की थी, जिन्होंने 12 साल की उम्र में पढ़ाई छोड़ दी थी। ये कंपनी आज 85 देशों में कारोबार कर रही है और इसका सालाना 93 हजार करोड़ से भी ज्यादा का रेवेन्यू है। बता दें मिल्टन हर्शे का जन्म 18 सितंबर 1937 को अमेरिका के पेन्सिल्वेनिया में हुआ। स्कूल में जब उन्होंने पढ़ाई छोड़ने का फैसला किया तो पिता ने एक अखबार में उनकी नौकरी की बात की। यहां उन्हें 5 साल बतौर ट्रेनी नौकरी मिली थी। मिल्टन को यह काम पसंद नहीं आया। इसलिए ज्यादा दिन नहीं कर पाए। साल 1873 में जब मिल्टन 18 साल के हुए तो फिर एक बार बतौर ट्रेनी नौकरी की। इस बार उन्होंने लैंकेस्टर की एक कैंडी फैक्ट्री में काम किया। कैंडी बनाने का काम उन्हें अच्छा लगा। चार साल बाद 1877 में उन्होंने कैंडी की दुकान खोलने का फैसला किया। इसके लिए पैसे उधार लिए। मिल्टन ने बिजनेस को आगे बढ़ाने दिन-रात मेहनत की। कई बार दुकान के काउंटर पर ही सो जाते थे। लोगों को अट्रैक्ट करने के लिए मिल्टन ने गली की तरफ कैंडी की खुशबू फैलाने का इंतजाम किया। जिसकी वजह से गली से निकलने वाले लोग दुकान पर जरूर रुकते थे। धीरे-धीरे रॉ मटेरियल के दाम बढ़ने से मेकिंग कॉस्ट बढ़ने लगी। लोग महंगी कैंडी नहीं खरीदना चाहते थे इसलिए सेल गिर गई। साल 1881 में मिल्टन हर्शे ने अपना बिजनेस बचाने पिता से मदद मांगी। पिता ने कफ ड्रॉप कैंडी और बड़े डिस्प्ले का आइडिया दिया, जिसकी वजह से कंपनी का फंड खत्म हो गया। मिल्टन दिवालिया घोषित हो गए। 6 साल की मेहनत बर्बाद हो गई। कैंडी बिजनेस फेल हुआ तो हर्शे दुखी होकर न्यूयॉर्क चले गए। वहां एक कैंडी स्टोर में काम करने लगे।

स्टॉक टिप्स देने वाले वेबसाइट्स और इंफ्लुएंसर्स पर रोक

एजेंसी

मुंबई। सेबी ने सोशल मीडिया खुद को इंफ्लुएंसर बताकर शेयर मार्केट के टिप्स और स्टॉक्स की सिफारिशें करने वालों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। साल 2024 में कई लोगों पर कार्रवाई की गई है, जिन्होंने शेयर बाजार के बारे में भ्रामक जानकारी दी और लोगों को गुमराह किया। इनमें से एक प्रमुख इंफ्लुएंसर के खिलाफ हाल ही में सख्त कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही सेबी ने 15,000 से ज्यादा वेबसाइट्स पर भी प्रतिबंध लगा दिया है, जो स्टॉक टिप्स और सिफारिशों से जुड़ा कंटेंट फैला रहे थे। सेबी की इस कार्रवाई से यह पता चलता है कि सोशल मीडिया पर गलत औ भ्रामक जानकारी देने वाले लोगों और प्लेटफॉर्म्स पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक शेयर बाजार में निवेश के नाम पर गलत जानकारी और गुमराह करने वाले लोगों पर इस साल सबसे बड़ी कार्रवाई की गई है। सेबी ने 15,000 से अधिक साइट्स और कई फिनफल्युएंसर्स को बैन कर दिया है। इन लोगों पर आरोप है कि ये सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके लोगों को गलत जानकारी दे रहे थे। इससे न सिर्फ लोग गुमराह हुए बल्कि उन्हें मोटा नुकसान भी हुआ है। बता दें कि शेयर बाजार में निवेश बाजार जोखिमों के अधीन होता है। अगर आपको कोई भी निवेश करना है तो आप पहले अपने वित्तीय सलाहकार की सलाह जरूर ले लें।

खास खबर

जॉश इंग्लिस का बीबीएल में खेलना तय नहीं

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉश इंग्लिस का पिंडलियों में आए खिंचाव के कारण जहां बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। वहीं उनके घरेलू लीग (बीबीएल) में खेलने की संभावना भी नहीं है। ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद है कि वह अगले महीने के अंत में होने वाले श्रीलंका टेस्ट दौरे तक फिट हो जाएंगे। श्रीलंका दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम एक अभ्यास शिविर के लिए यूएई भी जाएगी। इंग्लिस को बॉर्डर गावस्कर सीरीज में विकेटकीपर के विकल्प के तौर पर शामिल किया गया था। मेलबर्न टेस्ट के तीसरे दिन स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में क्षेत्ररक्षण करते हुए उन्हें खिंचाव का अनुभव हुआ। इस कारण ही वह अंतिम टेस्ट से बाहर हुए हैं। । वहीं तेज गेंदबाज जाय रिचडर्सन ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के साथ बने रहेंगे।

खराब बल्लेबाजी पर भड़के गावस्कर

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहजी की कड़ी आलोचना की है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के अंतिम दिन जीत के लिए मिले 340 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ये दोनो ही बल्लेबाज 9 और 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये जबकि इनसे टीम को बड़ी पारी की उम्मीदें थीं। 340 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जब पहले सत्र में ही भारतीय टीम के तीन विकेट गिरे तो गावस्कर भड़क गये। गावस्कर ने कहा अब यह मैच बचा सकते हो तो बचा लो। इससे पहले अंतिम दिन मेजबान टीम जब मैदान पर उतरी तो भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने नाथन लायन को पिछले स्कोर में एक रन बनाये बिना ही 41 रनों पर पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 340 रनों का लक्ष्य मिला जो कठिन तो था पर असंभव नहीं लेकिन शीर्ष क्रम ने ये अवसर गंवा दिया। शुरूआत में ही तीन विकेट गिरने से टीम बैकफुट पर आ गयी। जिस प्रकार रोहित और विराट आउट हुए उससे निराश गावस्कर ने कहा कि अब जीतने की उम्मीदें समाप्त हो गयी है हां अगर मैच बचाना है तो बचा लें।

महिला फुटबाल प्रतियोगिता 5 जनवरी से

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर महिला फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन ग्रीनपार्क स्टेडियम कानपुर में पांच जनवरी से शुरू होगा। 12 जनवरी तक चलने वाली प्रतियोगिता के लिए मंडल स्तरीय टीमों के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। हर जिले और मंडल स्तर पर टीमें बनायी जा रही हैं।लखनऊ में जिला स्तर पर टीम का चयन मंगलवार को चौक स्टेडियम में होगा। इसके लिए क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अजय कुमार सेठी ने बताया कि मंगवार अपराह्न तीन बजे से शुरू हो रही चयन प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों को निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र साथ में लेकर आना अनिवार्य है। बिना आयु प्रमाण पत्र के किसी भी खिलाड़ी को चयन में सम्मिलित नहीं किया जाएगा। जिला स्तर की प्रतियोगिता में चयन होने के बाद एक जनवरी को अपराह्न तीन बजे चौक स्टेडियम में ही मंडल स्तरीय टीम का चयन होगा।

मेलबर्न टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 184 रन से हराया

▶ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए भारतीय टीम की राह हुई मुश्किल

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को यहां बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में 184 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है।

पांचवें दिन 340 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही भारतीय टीम मात्र 155 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से केवल यशस्वी जयसवाल ने ही कुछ संघर्ष किया। उन्होंने 84 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। यशस्वी के अलावा ऋषभ पंत ने 30 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को छू नहीं सका। 340 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को यशस्वी और रोहित शर्मा ने सधी शुरूआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 25 रन जोड़े। हालांकि इसी स्कोर पर पैट कमिंस ने एक ही ओवर में रोहित शर्मा और केएल राहुल को आउट कर भारत की मुश्किलें बढ़ा दीं। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और 5 रन बनाकर 33 के कुल स्कोर पर मिचेल स्टॉर्क का शिकार बने।

यहां से यशस्वी जयसवाल और ऋषभ पंत ने चौथे विकेट के लिए 88 रनों की साझेदारी कर भारत को मैच में लाने की कोशिश की, लेकिन लंच के बाद 121 के कुल स्कोर पर पंत एक बार फिर ट्रैविस हेड की गेंद पर गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर चलते बने। पंत ने 30 रन बनाए। पंत के आउट होने

के बाद रवींद्र जडेजा (02) पहली पारी के शतकवीर नीतीश रेड्डी (01) भी जल्दी-जल्दी आउट हो गए। दो विकेट जल्दी-जल्दी गिरने के बाद सभी की उम्मीदें वाशिंगटन सुंदर और यशस्वी से थी, लेकिन पैट कमिंस की गेंद को हुक शॉट खेलने के चक्कर में यशस्वी भी आउट हो गए, हालांकि स्निकोमीटर में कोई हलचल नहीं थी, लेकिन वीडियो फुटेज में गेंद दस्ताने को छुकर जाती हुई दिखा रही थी, थर्ड अंपायर ने स्निकोमीटर को दरकिनार कर यशस्वी को आउट करार दिया। उस समय कमेंट्री कर रहे पूर्व दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इस निर्णय का कड़ा विरोध भी किया। यशस्वी के आउट होने के बाद भारतीय पारी बिखर गई और 155 रन पर सिमट गई। वाशिंगटन सुंदर एक छोर पर 5 रन बनाकर खड़े रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 3-3, नाथन लियोन ने 2, मिचेल स्टॉर्क और ट्रैविस हेड ने 1 विकेट लिया।

इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम का विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल्स के फाइनल में जाना लगभग तय हो गया है, वहीं भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इससे पहले आज ऑस्ट्रेलियाकी दूसरी पारी आज 234 रनों पर समाप्त हुई। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 105 रनों की हासिल की थी, जिससे उसकी कुल बढ़त 339 रनों की हुई और भारत को 340 का लक्ष्य मिला। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए मार्नस लाबुशेन ने बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 70 रन बनाए। लाबुशेन के अलावा पैट कमिंस और नाथन लियोन ने 4-41 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई पारी का मुख्य आकर्षण लियोन और बोलैंड के बीच आखिरी विकेट के लिए 61 रनों की साझादारी रही, जिसमें बोलैंड के नाबाद 15 रन शामिल थे। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 5, मोहम्मद सिराज ने 3 और रवींद्र जडेजा ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में नीतीश रेड्डी के शतक, यशस्वी जयसवाल और वाशिंगटन सुंदर के अर्धशतकों की बदौलत अपनी पहली पारी में 369 रन बनाए। नीतीश ने 114 रन बनाए, जबकि यशस्वी ने 82 और सुंदर ने 50 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। इन दोनों के अलावा विराट कोहली ने 36 और केएल राहुल ने 24 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान पैट कमिंस, स्कॉट बोलैंड और नाथन लियोन ने 3-3 विकेट लिये।

इस सीरीज के बाद समाप्त हो सकता है रोहित का टेस्ट करियर

▶ पांच पारियां में बनाये हैं केवल 31 रन

एजेंसी

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का टेस्ट करियर खतरे में नजर आ रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी सीरीज में रोहित एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। बॉक्सिंग डे टेस्ट में सभी उम्मीद कर रे थे कि वह दूसरी बारी में रन बनाकर टीम को हार से बचाएंगे पर ऐसा नहीं हुआ और वह 9 रनों पर ही आउट हो गये। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज उनकी अंतिम टेस्ट सीरीज भी हो सकती है। माना जा रहा है कि इस सीरीज के

बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) रोहित के भविष्य पर गंभीरता से विचार कर सकता है। मेलबर्न टेस्ट के अंतिम दिन उनके पास बड़ी पारी खेलकर अपनी जगह बचाने का अवसर था पर वह उसमें विफल रहे।

पांचवें दिन ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी दूसरी पारी में 234 रन पर आउट हुई। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 340 रन का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए रोहित 40 गेंद खेलकर केवल 9 रन बना पाये। वह ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की गेंद पर मिचेल मार्श के हाथों कैच हुए।

इस सीरीज में जब भी उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की गयी उन्होंने निराश किया। रोहित बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच की पहली पारी में भी 3 रन ही बना पाये थे। पिछली 9 पारियों में वह 20 रन के स्कोर तक भी नहीं पहुंचे हैं। पिछली 15 पारियों में वह केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये हैं। इस सीरीज में उन्होंने 3, 6, 10, 3 और 9 रन बनाये हैं। इस दौरे पर 5 पारी में रोहित शर्मा केवल 31 रन ही बना पाए हैं।

अपने को साबित करना चाहता था : नीतीश

एजेंसी

मेलबर्न । ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में शतक बनाने के बाद से ही छाए हुए हैं। नितीश ने कहा है कि उन्हें टेस्ट के योग्य नहीं माना जाता था। इसी कारण वह साबित करना चाहते थे कि इस प्रारुप में भी वह रन बना सकते हैं। अब एमसीजी मैदान पर शतक लगाकर उन्होंने दिखाया है कि वह क्रिकेट के शीर्ष स्तर पर खेल सकते हैं। वहीं इस सीरीज के पहले उनके चयन को लेकर कई दिग्गजों ने सवाल भी उठाये थे पर कोच गौतम गंभीर उन्हें शामिल करने पर अड़े हुए थे जिनका भरोसा उन्होंने कायम रखा। वहीं अब छह पारियों में 293

रन बनाकर इस बल्लेबाज ने अपनी क्षमताएं दिखायी हैं। रेड्डी की 114 रन की पारी की बदौलत भारत पहली पारी में 369 रन बनाने में सफल रहा। इस शतक की बदौलत युवा बल्लेबाज ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस युवा बल्लेबाज ने कहा , कुछ लोगों का कहना था कि आईपीएल खेलने वाला कोई युवा खिलाड़ी इतनी बड़ी सीरीज में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकता। इस 21 साल के खिलाड़ी ने कहा, ह्यमैं बस उन्हें यह बताना चाहता हूं कि उन्होंने मेरे बारे में जो कुछ कहा है, वह गलत है और मैं यही कर रहा हूं। मैं लोगों को बताना चाहता हूं कि मैं भारतीय टीम के लिए अपना शत प्रतिशत देने के लिए यहां हूं। यह पूछे जाने पर कि वह पिछले एक महीने को कैसे देखते हैं जिसमें उनका जीवन बदल गया, उन्होंने तुरंत जवाब दिया मुझे लगता है कि आप लोगों के लिए यह एक या दो महीने ही हैं। लेकिन मेरे लिए यह पिछले दो से तीन साल हैं।

ओपन झारखंड राज्य स्क्वैश टीम का चयन

रांची। झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में रांची जिला स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन की मेजबानी में 30 दिसंबर को झारखंड राज्य स्क्वैश टीम का चयन फिराया लाल स्थित क्रॉस कोर्ट रांची में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ पूरे राज्य भर से लगभग 50 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें चार पुरुष और चार महिला का चयन किया गया, 38वीं राष्ट्रीय खेल चैंपियनशिप उत्तराखंड में 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 में खेला जाएगा, जिसमें यही खिलाड़ी झारखंड स्क्वैश टीम की ओर से भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार हैं महिला टीम -आदया बुधिया, ब्रीया शर्मा, किरीसा जालान, पीरिसा अग्रवाल पुरुष-विराज गुप्ता, शिवेश कनोइ,वेदांत अग्रवाल,अद्वितीय तनेजा ने अपना स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर रांची जिला स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के सचिव आशिष कुमार बनर्जी क्रास कोर्ट के आर्यन, सुभाष गांगुली, भागवत महतो ने अपनी भूमिका निभाई

हिमाचल की यमुना राणा का ई टीम में चयन

धर्मशाला। बीसीसीआई सीनियर वूमेन वनडे चैलेंजर ट्रॉफी के लिए हिमाचल की यमुना राणा का चयन हुआ है। यमुना राणा ई टीम का हिस्सा बनी है। यमुना हिमाचल से एकमात्र क्रिकेटर है जिनका चयन इस बार इस प्रतियोगिता के लिए हुआ है। उधर उनके चयन पर एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि 5 जनवरी से शुरू हो रही बीसीसीआई सीनियर वूमेन वनडे चैलेंजर्स ट्रॉफी की टीम के लिए यमुना राणा का चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि एचपीसीए के लिए बड़े गर्व की बात है कि हिमाचल की यह क्रिकेटर सीनियर वूमेन क्रिकेट टीम का हिस्सा बनने वाली है। उन्होंने एचपीसीए की ओर से बधाई देते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना की है।

28वीं ऑल इंडिया इंटर स्कूल और क्लब योगा चैंपियनशिप

झारखंड की नम्रता कुमारी बनी चैंपियन ऑफ चैंपियन

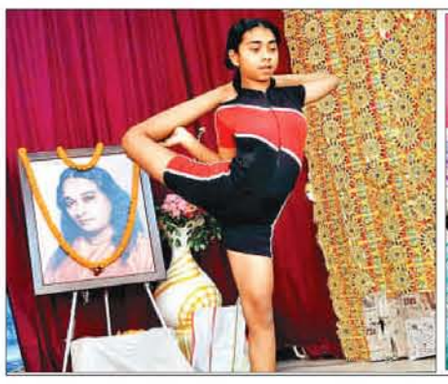

रांची। योग कल्चर के द्वारा आयोजित 28वीं ऑल इंडिया इंटर स्कूल और क्लब योगा चैंपियनशिप 2024, देशप्रिय क्लब मे पुरस्कार वितरण समारोह के साथ सम्पन्न हुई। समापन समारोह मे स्वामी दिव्यानंद जी महाराज, सुमित घोष (जर्मनी), आराधना देवरिया (अमेरिका), घनश्याम दास, स्वाति सरकार, डॉक्टर रीमा सेन गुप्ता, प्रनव चौधरी मौजूद थे।

रांची योग कल्चर की शेफाली चक्रवर्ती ने सभी अतिथियों को सम्मानित किया। प्रतियोगिता 6 ग्रुप में आयोजित की गई, जिसमें बिहार, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा झारखंड के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का निर्णायक वर्ल्ड योगा सोसाईटी, कोलकाता के द्वारा किया गया जिसमें पार्थो शाह, संजय विश्वास, और सुभाष कुंडू शामिल थे। रांची योग कल्चर के इन्द्रजीत चक्रवर्ती ने बताया, समारोह के प्रथम सत्र में टाइटल राउंड आयोजित किया गया जिसमें ग्रुप मे आए प्रथम द्वितीय और तीसरे नंबर के प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन समारोह में सौम्या श्री ने अपना मनमोहक राम कथा नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन पीहू कर्मकार ने किया।प्रतियोगिता को सफल बनाने मे प्रदीप कुंभकार, कोमल, शेफाली चक्रवर्ती, श्रेया कुमारी, मोनालिसा, राकेश कुमार गुप्ता, जगदीश सिंह, मिनिमाए चाक्कू और ओरगो डे अपना योगदान दिया।

आईपीएल फ्रैंचाइजियों का राजस्व हुआ दोगुना

एजेंसी

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) विश्व क्रिकेट की सबसे अमीर लीग है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शीर्ष 10 फ्रैंचाइजी का संयुक्त राजस्व वित्त वर्ष 24 में 3082 से दोगुना होकर 6797 करोड़ पहुंच गया है। इसका कारण इस मीडिया राइट्स को बताया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने साल 2022 में डिजनी स्टार और वायाकॉम 18 के साथ साल रिकॉर्ड 48 हजार 390 करोड़ का मीडिया राइट्स का करार किया था। मीडिया राइट्स के अलावा बीसीसीआई को टाटा ग्रुप, माई11सर्कल, सिएट और एंजेलवन सहित प्रमुख ब्रांडों के

साथ बहु-वर्षीय प्रायोजन समझौतों से भी 4 हजार करोड़ से अधिक की कमाई होती है। बीसीसीआई की बढ़ती कमाई का एक कारया ब्रांड वैल्यू का बढ़ना भी है। आईपीएल का ब्रांड मूल्य साल 2023 की तुलना में 2024 में 13 फीसदी बढ़कर 12 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2009 में इसके 2 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन से छ गुना अधिक है। विशेष रूप से 4 फ्रेंचाइजी-चेन्नई सुपर किंग्स (सी.एस.के.), मुंबई इंडियंस (एम.आई.), रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आर.सी.बी.), और कोलकाता नाइट राइडर्स (के.के.आर.) की ब्रांड वैल्यू 100 मिलियन डॉलर से आगे निकल गयी है। टीम प्रायोजन में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई, जिससे वित्तीय स्थिरता बढ़ीं। इसके अलावा, टिकटों की ऊंची कीमतों और स्टेडियम भरे होने से भी लाभ हुआ है। गुजरात टाइटास 776 करोड़ के साथ सबसे ऊपर है। वित्त वर्ष 23 में उनका राजस्व 359 करोड़ था। वहीं मुंबई इंडियंस 737 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स का राजस्व भी 322 करोड़ से दोगुना होकर 698 करोड़ हो गया है। वहीं चेन्नई सुपरकिंग्स वित्त वर्ष 2013 में 292 करोड़ की तुलना में 676 करोड़ पर पहुंच गयी है।

हम्पी ने दूसरी बार जीता विश्व रैपिड शतरंज खिताब

एजेंसी

न्यूयॉर्क । भारत की महिला शतरंज खिलाड़ी कोनेरु हम्पी ने दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियशिप जीतकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। हंपी ने इससे पहले साल 2019 में भी विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियन का खिताब जीता था। इस बार की बात करें तो अंतिम दौर के पहले हम्पी सहित कुल 7 खिलाड़ी 7.5 अंकों पर थे पर बाकि खिलाड़ी अंतिम दौर में हारकर बाहर हो गये। हंपी ने इन्डोनेशिया की इरेने सुकंद को हराया। ये मुकाबला ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा था पर हम्पी ने खेल की 48वीं चाल में इरेने की एक गलती का लाभ उठाते हुए 67 चालों में मुकाबला जीत

लिया। वहीं भारत की हरिका द्रोणावल्ली का चीन की तान ज्होंगाई से मुकाबला बराबरी पर रहा। रूस की लागनों काटेरयना का उज्बेक्सितान की अफरुजा खंदमोवा से मुकाबला बराबरी पर रहा। चीन की जू वेंजून दूसरे जबकि रूस की लागनों काटेरयना तीसरे स्थान पर रहीं। हम्पी की इस शानदार जीत पर उन्हें देशभर से बधाई और शुभकामनाएं मिल रही है। हाल ही में भारत के डी गुकेश ने पुरुष वर्ग में विश्व खिताब जीता था। इस प्रकार साल 2024 में भारत को एक और शतरंज खिताब मिला है।

मुम्बई सिटी की डिफेंस और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के हमलों के बीच होगा मुकाबला

एजेंसी

मुम्बई। मुम्बई सिटी एफसी (आइलैंडर्स) की टीम सोमवार को मुम्बई फुटबॉल एरिना में शाम को खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (हाईलैंडर्स) की मेजबानी करेगी।

मुम्बई 12 मैचों में पांच जीत, पांच ड्रा और दो हार से 20 अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर है, जबकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड 12 मैचों में पांच जीत, तीन ड्रा और चार हार से 18 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है।

आइलैंडर्स अपने पिछले पांच मैचों में से तीन जीतने के बाद इस मुकाबले में उतरेंगे, जबकि हाईलैंडर्स ने इसी अवधि में दो मैच जीते हैं और दो हारे हैं।

इस सीजन में हाईलैंडर्स ने 26

गोल किए हैं, जो मैरिनर्स के बराबर हैं और बेंगलुरू एफसी (27 गोल) से पीछे हैं। मुम्बई सिटी (15) ने चौथा सबसे कम बार गोल किए हैं। आइलैंडर्स ने मजबूत डिफेंस दिखाते हुए पांच क्लीन शीट रखी हैं और अब तक 13 गोल खाए हैं, जबकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने दो क्लीन शीट के साथ 20 गोल खाए हैं। आइलैंडर्स ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड (19 जनवरी, 2023 को 4-0 और 12 मार्च, 2024 को 4-1) के खिलाफ अपने पिछले दो घरेलू मैचों में से चार-चार गोल किए हैं। आइलैंडर्स ने अपने पिछले चार आईएसएल मैचों में क्लीन शीट रखी है, जिनमें से तीन में जीती है।

नॉर्थईस्ट अपने पिछले पांच अवे मैचों (दो जीत, दो ड्रा) में से केवल एक में हारी है। इस दौरान उन्होंने 12 गोल किए हैं। हाईलैंडर्स ने इस सीजन में मैचों के शुरूआती 15 मिनट में सबसे ज्यादा आठ गोल किए हैं। लेकिन कमजोर डिफेंस के कारण इस अवधि में चार गोल खाए भी हैं।

आइलैंडर्स के चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी ने कहा कि उनकी टीम को उन प्रक्रियाओं का लगातार पालन करने की जरूरत है जो वो करती आ रही है। उन्होंने कहा, हमें अच्छा खेलना होगा, मजबूत डिफेंडिंग करनी होगा। स्थानापन्न खिलाड़ियों को भी अच्छा खेलना होगा। हमें विरोधियों को मौके देना बंद करने होंगे।

हाईलैंडर्स के स्पेनिश हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली ने कहा कि टीम को अपनी खेल शैली पर डटे रहना होगा। उन्होंने कहा, हर मुकाबला बिल्कुल अलग होता है। मुम्बई सिटी के पास अलग खिलाड़ी और खेलने की शैली है। हमें अपनी शैली और अपनी गेम प्लान पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 20 मुकाबलों में मुम्बई सिटी एफसी बार 11 जीती है, जबकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने पांच मैच जीते हैं। चार मैच ड्रा रहे हैं।

पर्थ में 2025 यनाइटेड कप टेनिस में खेलती हुई अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ।

जली हुई प्रेस को मिनटों में साफ करेगी यह 5 रूपये की एक चीज, आप भी आजमाएं ये कमाल की ट्रिक

क्या आपकी प्रेस का भी निचला हिस्सा जल गया है। जिसकी वजह से वो खुरदुरा होने के साथ आपके कपड़ों पर निशान बना रहा है, तो आज हम आपके लिए एक आसान सी ट्रिक लेकर आए हैं। जिससे आपकी प्रेस एकदम नई और जाएगी।

अधिकतर हर घर में कपड़ों पर प्रेस होती है। प्रेस किए हुए कपड़ों पर अलग ही चमक नजर आती हैं। वहीं कुछ लोग तो ऐसे भी होते हैं, जो कि बिना प्रेस किए हुए कपड़े पहनते ही नहीं हैं। अमूमन लोग या तो घर पर प्रेस करते हैं या फिर बाहर प्रेस करवाते हैं, लेकिन बाहर समय के अभाव और पैसा ज्यादा खर्च होने की वजह से लोग घर पर ही प्रेस कर लेते हैं। जब हम घर पर प्रेस करते हैं, तो कुछ चीजों को ध्यान में रखना पड़ता है, अन्यथा हमारे कपड़े जल जाते हैं।

आजकल प्रेस में हर कपड़े पर प्रेस करने के लिए अलग-अलग फंक्शन दिए होते हैं। बावजूद इसे कभी-कभी प्रेस ज्यादा गर्म हो जाने पर भी कपड़े चिपक जाते हैं। कपड़े चिपक जाने की वजह से प्रेस के निचले हिस्से पर खुरदुरा और वो जगह काली हो जाती है। ऐसे में हम जब दूसरी बार कोई कपड़ा प्रेस करते हैं तो उसपर वो निशान लग जाता है। जिसकी वजह से कपड़े खराब हो जाता है और खुरदुरेपन की वजह से प्रेस स्मूद भी नहीं चलती है। जिसके चलते इसको साफ करना बेहद जरूरी होता है। तो आज हम इस लेख में आपको जली हुई प्रेस की सतह को साफ करने की एक आसान और सस्ती सी ट्रिक बताएंगे। जिसकी मदद से आप मिनटों में अपनी प्रेस को एक बार फिर दुबारा से नया जैसा बना सकती हैं। इसके बाद आपके कपड़ों पर निशान भी नहीं लगेंगे और आप आसानी से कपड़ों पर प्रेस कर पाएंगी।

रेगमाल को सैंड पेपर भी कहा जाता है। यह एक खुरदुरा सा पेपर होता है, जो कि आपको आसानी से बाजार में बेहद कम कीमत में मिल जाएगा। इसको उपयोग आपप्रेस साफ करने में भी तभी करें जब वो ज्यादा जल गई हो। साथ ही इससे साफ करते हुए थोड़ी सावधानियां भी बरतें। दरअसल, रेगमाल पेपर खुरदुरा होता है ऐसे में यदि आप इसे प्रेस की सतह पर ज्यादा देर या तेज रगड़ देंगे तो वो वहां से उसकी पॉलिश भी हट सकती है।

आप एक रेगमाल पेपर का टुकड़ा लें और उसको ठंडी प्रेस के जले हुए हिस्से पर रगड़ें। याद रहे आपको हल्के हाथों से रगड़ना होगा, वरना प्रेस की नॉन स्टिक कोटिंग हट सकती है। अच्छी तरह साफ हो जाने के बाद आप किसी कॉटन कपड़े को सिरके में भिगोकर उससे पोंछ दें। इसके बाद किसी सूखे कपड़े से दुबारा साफ करें। आप देखेंगे आपकी प्रेस एकदम चमक जाएगी। इस आर्टिकल के बारे में अपनी राय भी आप हमें कमेंट बॉक्स में जरूर बताएं। साथ ही, अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो, तो इसे शेयर जरूर करें। इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हर जिन्दगी के साथ।

किचन सिंक की देखभाल करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

किचन सिंक की सफाई करना बेहद जरूरी होता है। अगर आप इसकी नियमित रूप से सफाई नहीं करेंगी, तो आपको काफी परेशानी हो सकती है। तो देर किस बात की आइए विस्तार से इस लेख में जानते हैं।

किचन में हमें सिर्फ बर्तन या कैबिनेट की ही जरूरत नहीं पड़ती है, बल्कि सिंक भी उतनी ही जरूरी है। शायद यही वजह है कि आजकल मार्केट में सिंक की कई वैरायटी अवेलेबल हैं। यही कारण है कि किचन में सिंक सलेक्शन के दौरान अक्सर हम कन्फ्यूज हो जाते हैं।

किचन सिंक को सलेक्ट करते समय कोई गड़बड़ ना हो, इसके लिए जरूरी है कि सिंक के मैटीरियल से लेकर उसके साइज, एक अंडरमाउंट या ड्रॉप-इन सिंक के बीच के बारे में पहले सब कुछ जाना जाए। इसके बाद ही अपनी किचन की जरूरत को समझते हुए सही सिंक का चयन करें।

हालांकि, किचन की शोभा बढ़ाने के लिए लोग सिंक के साथ-साथ इसके लुक पर काफी पैसा खर्च करते हैं। इसलिए उनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। अगर आप किचन सिंक का ध्यान नहीं रखेंगी, तो यह जल्दी खराब हो जाएगा और इसमें कूड़ा फसने लगेगा। ऐसे में महिलाएं सिंक को साफ करने के लिए महंगे-महंगे क्लीनिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं।

इसके बावजूद भी कई बार सिंक साफ नहीं होता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हम आपके लिए कुछ ऐसे हैक्स लेकर आए हैं जिनकी मदद से सिंक को मेंटेन किया जा सकता है।

सिंक से जुड़ी सामग्री पर दें ध्यान

जब किचन सिंक की बात आती है तो ऐसे में सिंक के साइज व स्टाइल के साथ-साथ उसकी एक्सेसरीज पर भी ध्यान देना जरूरी होता है। मसलन, नल का स्टाइल आपकी किचन के स्टाइल के अनुसार सलेक्ट कर सकती है। आप किचन सिंक एक्सेसरीज का प्लेसमेंट और डिजाइन अपने स्पेस के अनुसार ही चुनें।

हालांकि, अगर आप क्लासिक टू-नॉब टैप का चयन करते हैं तो ऐसे में आपको उसके साथ एक्सटेंडेबल स्प्रे या शॉवर आर्मको भी लगाएं। इससे क्लीनिंग करना काफी आसान हो जाता है।

सिंक की करें नियमित रूप से सफाई

सिंक को मेंटेन करने के लिए बहुत जरूरी है कि किचन सिंक की सफाई की जाए। सबसे पहले किचन सिंक को पानी से साफ कर लें, ताकि सिंक में किसी प्रकार का कोई अवशेष न रहे। खासतौर पर किचन सिंक की ड्रेन में फंसा खाना आदि हटा लें। आप चाहें, तो थोड़ा सा डिश सोप डालकर भी सफाई कर सकती हैं।

सबसे पहले बेकिंग सोडा को सिंक पर छिड़कें।

इस बात का ध्यान रखें कि बेकिंग सोडा से सिंक को अच्छे से कवर करना है।

करीब 5 मिनट बाद सोडा के ऊपर सिरका डालें। सिरका और बेकिंग सोडा मिलकर रिएक्शन करते हैं, जिससे बुलबुले होने लगते हैं।

जब बुलबुले बनने बंद हो जाए, तब स्क्रब की मदद से सिंक को अच्छे से स्क्रब कर लें।

अगर आपके पास स्पॉन्ज नहीं है, तो घर पर पड़ा पुराना ब्रश भी काम आ सकता है।

कम से कम 5-10 मिनट तक अच्छे से सिंक को रगड़ लें।

आखिर में सिंक को गर्म पानी से धो लें। इस बात का ध्यान रखें कि सिंक को साफ करने के लिए ज्यादा या उबलता हुआ गर्म पानी का उपयोग न करें। इसके कारण सिंक का पाइप गलकर फट सकता है।

सिंक इस्तेमाल करते वक्त ध्यान रखें

सिंक को लंबे समय तक मेंटेन करने के लिए जरूरी है कि आप इसका सही तरीके से इस्तेमाल करना। यह तो आपको पता ही है कि इसकी जाली बहुत ही पतली होती है। अगर इसमें कूड़ा जला जाता है, तो यह बंद हो जाती है।

इसलिए जरूरी है कि सिंक का इस्तेमालसही तरह से किया जाए। छिलके या मोटा कूड़ा डालने से बचें, क्योंकि इससे नाली बंद हो जाती है और आपको सिंक का इस्तेमाल करने में परेशानी होती है।

ड्रेन कवर को करें साफ

ड्रेन कवर में खाने के अवशेष जमा हो जाते हैं। जिसके कारण यह सबसे ज्यादा गंदा हो जाता है। एक बाउल में 1 कप व्हाइट विनेगर और 1 बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। अब ड्रेन कवर को बेकिंग सोडा और विनेगर के पेस्ट में करीब 15 मिनट तक भीगने के लिए छोड़ दें। करीब 15 मिनट बाद गर्म पानी से ड्रेन कवर को साफ कर लें। अब किसी सूखे कपड़े से पोंछ लें।

इन बातों का ध्यान रखें

हमेशा ग्लव्स पहनकर ही किचन सिंक साफ करें।

आपको हफ्ते में एक बार सिंक की अच्छे से सफाई करनी चाहिए। इससे आपका किचन सिंक हमेशा साफ और चमकदार रहेगा।

आपको नियमित रूप से सिंक की सफाई करनी चाहिए। इससे आपका सिंक चमकदार रहेगा।

किचन सिंक को हमेशा डिसइनफेक्ट करते रहें।

अगर हमारी स्टोरी से जुड़े आपके कुछ सवाल हैं, तो वो आप हमें आर्टिकल के नीचे दिए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम आप तक सही जानकारी पहुंचाने का प्रयास करते रहेंगे। अगर आपको ये स्टोरी अच्छी लगी है, तो इसे शेयर जरूर करें। ऐसी ही अन्य स्टोरी पढ़ने के लिए जुड़े रहें हर जिंदगी से।

आपकी ये गलतियां शादीशुदा जिंदगी को खराब करती हैं

अच्छे रिश्तों के लिए प्रयास, खुला संवाद और आपसी सम्मान की आवश्यकता होती है। पति-पत्नी दोनों के लिए एक साथ काम करना, एक-दूसरे की बात सुनना और एक-दूसरे की भावनाओं और जरूरतों को समझने का प्रयास करना महत्वपूर्ण है। ऐसा करके, वे एक मजबूत और खुशहाल रिश्ता बना सकते हैं। शादी के बाद पति-पत्नी में लड़ाई क्यों होती है? इस सवाल का कोई सरल या सीधा जवाब नहीं है। हालांकि, सबसे बड़ा कारण उनके बीच समझ और तालमेल की कमी हो सकती है। अब, अगला सवाल यह है कि पति-पत्नी एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाने में संघर्ष क्यों करते हैं? इसके पीछे कुछ कारण हो सकते हैं, जैसे कि दोनों पार्टनर की गलतफहमियां या छोटी-छोटी गलतियां। ये गलतियां धीरे-धीरे उनके रिश्ते में दूरियां पैदा कर सकती हैं और उनके बंधन को प्रभावित कर सकती हैं।

पति-पत्नी के बीच खराब संवाद

विवाह में गलतफहमियों और विवादों का एक मुख्य कारण खराब संवाद है। जब जोड़े अपनी भावनाओं, विचारों या चिंताओं को खुलकर और सम्मानपूर्वक व्यक्त करने में विफल होते हैं, तो इससे रिश्ते में दूरियाँ पैदा होती हैं। गलत अर्थ निकाले गए शब्द, सुनने की कमी या महत्वपूर्ण बातचीत से बचना समय के साथ निराशा और नाराजगी का कारण बन सकता है। कई मामलों में, खराब संवाद तब होता है जब एक साथी बातचीत पर हावी हो जाता है, दूसरे के दृष्टिकोण को अनदेखा करता है या आलोचना पर नकारात्मक प्रतिक्रिया करता है। इसी तरह, समस्याओं के बारे में चर्चा से बचना या भावनाओं को दबाना भी स्थिति को खराब कर सकता है।

एक स्वस्थ विवाह के लिए प्रभावी संचार आवश्यक है। जोड़ों को सक्रिय रूप से सुनने का अभ्यास करना चाहिए, ईमानदारी से लेकिन विनम्रता से बात करनी चाहिए और विवादों को सुलझाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। खुला और सम्मानजनक संवाद विश्वास बनाने में मदद करता है और पति-पत्नी के बीच भावनात्मक संबंध को मजबूत करता है।

पति-पत्नी के बीच होने वाले झगड़ों में दूसरों का हस्तक्षेप

जब परिवार के सदस्य या दोस्त जैसे दूसरे लोग पति-पत्नी के बीच होने वाले झगड़ों में हस्तक्षेप करते हैं, तो इससे स्थिति सुलझने के बजाय और जटिल हो जाती है। हो सकता है कि उनका इरादा मदद करने का हो, लेकिन उनकी भागीदारी अक्सर पक्षपात को बढ़ाती है या गलतफहमियों को बढ़ाती है। यह हस्तक्षेप एक साथी को असमर्थित या आलोचित महसूस करा सकता है, जिससे आगे चलकर संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। यह रिश्ते में गोपनीयता और विश्वास को भी बाधित करता है, क्योंकि व्यक्तिगत मामले बाहरी लोगों के सामने आ जाते हैं। सामंजस्य बनाए रखने के लिए, जोड़ों को अपने मुद्दों को निजी तौर पर सुलझाने का प्रयास करना चाहिए, बाहरी प्रभाव के बिना आपसी समझ को बढ़ावा देना चाहिए।

पति और पत्नी में विश्वास की कमी

पति और पत्नी के बीच विश्वास की कमी उनके रिश्ते को बहुत नुकसान पहुंचा सकती है। विश्वास एक मजबूत और स्वस्थ विवाह की नींव है, और इसके बिना, संदेह, असुरक्षा और गलतफहमियाँ हावी हो सकती हैं। जब एक साथी को विश्वासघात महसूस होता है, चाहे बेईमानी, टूटे हुए वादों या गोपनीयता के माध्यम से, यह भावनात्मक दूरी पैदा करता है और बंधन को कमजोर करता है। विश्वास की कमी से लगातार संदेह और बहस भी होती है, जिससे खुलकर संवाद करना और चुनौतियों का सामना करना मुश्किल हो जाता है। विश्वास को फिर से बनाने के लिए लगातार ईमानदारी, पारदर्शिता और अपने रिश्ते को प्राथमिकता देने के लिए दोनों भागीदारों की ओर से वास्तविक प्रयास की आवश्यकता होती है।

महिलाएं इस तरह रखें परिवार का ख्याल, हैप्पी फैमिली ड्रीम हो जाएगा पूरा !

हैप्पी फैमिली के साथ रहना अमूमन हर किसी का ड्रीम होता है. परिवार को खुश रखने में सबसे बड़ा योगदान महिलाओं का रहता है. ज्यादातर महिलाएं परिवार के हर सदस्य की सभी छोटी-बड़ी जरूरतों का खास ख्याल रखती हैं. वैसे तो महिलाएं परिवार के सभी लोगों को खुश रखने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं. लेकिन फैमिली से जुड़ी आपकी कुछ लापरवाही पूरे परिवार पर भारी पड़ सकती है. इसलिए हम आपसे शेयर करने जा रहे हैं कुछ फैमिली सेफ्टी टिप्स, जिसकी मदद से आप हैप्पी फैमिली के सपने को चुटकियों में साकार कर सकती हैं.

सभी का हेल्थ चेकअप कराएं

कुछ महिलाएं घर में बच्चों से लेकर बड़ों तक की स्पेशल केयर करती हैं. बावजूद इसके घर में कुछ लोगों की तबीयत खराब हो जाती है. ऐसे में फैमिली में सभी को हेल्दी रखने के लिए आप हर सदस्य का समय-समय पर हेल्थ चेकअप करवा सकती हैं. इससे परिवार में सभी की सेहत दुरुस्त रहेगी और आप भी फैमिली मेंबर्स की हेल्थ को लेकर स्ट्रैसफुल नहीं होंगी.

डाइट और एक्सरसाइज पर फोकस करें

परिवार में सभी को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए आप सही डाइट और नियमित एक्सरसाइज की मदद ले सकती हैं. ऐसे में फैमिली में सभी को पोषक तत्वों से भरपूर चीजें सर्व करें. साथ ही घर के हर सदस्य को योगा, वॉकिंग, साइकिलिंग और स्पोर्ट एक्टिविटी करने की सलाह दें. इससे फैमिली में सब लोग फिजिकली और मेंटली फिट रहेंगे.

सेविंग करना न भूलें

फैमिली को खुश रखने के लिए घर को फाइनेंशियली मजबूत रखना भी जरूरी होता है. ऐसे में आप हर महीने की इनकम से कुछ न कुछ बचत कर सकती हैं. साथ ही महिलाएं शॉपिंग के दौरान फिजूलखर्ची करने से बचें. इससे किसी आपात स्थिति में आपको पैसों की चिंता नहीं करनी पड़ेगी. वहीं जीवन बीमा और रिटायरमेंट प्लान की मदद से आप फैमिली के फ्यूचर को भी सिक्योर कर सकती हैं.

अपनी और बच्चों की सुरक्षा करें

फैमिली को खुश रखने के लिए घर में पॉजिटिविटी मेंटेन करना बेहद जरूरी होता है. ऐसे में बच्चों की परवरिश पर खास ध्यान दें. खासकर स्कूल के माहौल और बच्चों के दोस्तों से जुड़ी सारी जानकारी अपने पास रखें. साथ ही घर से बाहर निकलते समय अपनी और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना न भूलें

संयुक्त परिवार की शक्ति का केंद्र बिंदु हैं महिलाएं सकारात्मकता से कोरोना को हराया जा सकता है और लोगों ने हराया। कहने का तात्पर्य है की संयुक्त परिवार ही तनाव रहित है। तनाव ही सारी बीमारी की जड़ है। संयुक्त परिवार में महिलाओं की अहम् भूमिका होती है। महिलाएं संयुक्त परिवार की शक्ति का केंद्र होती हैं।

प्राचीन भारतीय सभ्यता में संयुक्त परिवार हुआ करते थे। परिवार को सम्बल प्रदान करने की विशेषता सिर्फ संयुक्त परिवार में हुआ करती है। परिवार की एकता ही उसकी शक्ति की परिचायक होती है। जैसा कहा भी गया है- यूनिटी इज स्ट्रेंथ अर्थात एकता में ही शक्ति निहित है। जो भी परिवार संयुक्त हैं वहाँ एकता (यूनिटी) है। संयुक्त-परिवार ही विषम परिस्थितियों में शक्ति का परिचायक हुआ करती है। कोरोना की दूसरी लहर ने देश में त्राहिमाम मचा दिया। आंकड़े बताते हैं की दूसरी लहर में होम आइसोलेशन कितना जरुरी हो गया। होम-आइसोलेशन संयुक्त परिवार के लिए रामबाण दवाई साबित हुई।

संयुक्त परिवार में मरीज की देखभाल, खानपान और उचित व्यवस्था परिवार के लोग ही कर लेते हैं। जिसका परिणाम यह हुआ की होम आइसोलेशन में संयुक्त परिवार में रहने वाले मरीज ज्यादातर ठीक हो गए और अस्पतालों के चक्कर से बच गए। जो परिवार संयुक्त नहीं थे और उसमे कोई कोरोना पॉजिटिव आया तो उसके पास हॉस्पिटल के अलावा कोई विकल्प नहीं रहा। परिणामतः ऐसे परिवारों को कोरोना की दूसरी लहर ने तोड़ कर रख दिया। परिवार दिवस के उपलक्ष्य में मैं एक ही बात कहूंगा की संयुक्त परिवार ही श्रेष्ठ परिवार है। कोरोना की दूसरी लहर ने प्राचीन भारतीय सभ्यता की याद दिला दी और परिवारों को सबक दे गई की प्राचीन भारतीय सभ्यता को अपनाएं न की पाश्चात्य सभ्यता को। संयुक्त परिवार में व्यक्ति अकेला नहीं होता। जो परिवार संयुक्त नहीं हैं वहाँ अकेलापन का अहसास होता है। अकेलेपन में तनाव है। तनाव में ऋणात्मक ऊर्जा काम करती है। जहां अकेलापन नहीं है वहां सकारात्मक ऊर्जा काम करती है। अर्थात वहां तनाव नहीं है।

शोभिता धुलिपाला ने सोशल मीडिया पर साझा कीं इस साल की उपलब्धि

शोभिता धुलिपाला की किस्मत के सितारे इस वक्त बुलंदियों पर हैं। अभिनेत्री की जिंदगी में खुशियों की कई वजह हैं और यह साल तो उनके लिए बहुत ही स्पेशल साबित हुआ है। एक तरफ उन्होंने नागा चैतन्य के साथ अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत की है। वहीं, दूसरी तरफ करियर के फ्रंट पर भी खूब चर्चा बटोरी है। दिलचस्प बात यह है कि इस साल उनकी अदाकारी ग्लोबल स्तर पर दिखी, क्योंकि वे हॉलीवुड प्रोजेक्ट का हिस्सा जो बनीं। अगर कहा जाए कि शोभिता धुलिपाला की पांचों उंगलियां घी में और सिर कढ़ाई में है, तो गलत नहीं होगा। अभिनेत्री की जिंदगी कुछ इसी तरह खुशियों से भरी है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस पर खुशी जताई है। शोभिता ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वे इस साल अपने हॉलीवुड डेब्यू और नागा चैतन्य के साथ शादी और फिर कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी शिरकत का जश्न मनाती दिखी हैं।

साल 2024 का कहा शुक्रिया

शोभिता ने एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने सालभर के यादगार पलों की झलक पेश की है। इसमें कान में उनकी मौजूदगी से लेकर हॉलीवुड डेब्यू और शादी तक की तस्वीरें हैं। इसके साथ शोभिता ने लिखा है, यह साल बहुत ही ऊर्जा देने वाला रहा। उत्साह बढ़ाने वाला भी और सबसे बढ़कर कि जीवन के प्रति संतुष्टि देने वाला साबित हुआ। बहुत शुक्रिया साल 2024।

इस हॉलीवुड फिल्म में आई नजर

बता दें कि शोभिता धुलिपाला ने इस साल हॉलीवुड का रुख किया। वे अभिनेता देव पटेल के साथ फिल्म मंकी मैन में नजर आईं। इस फिल्म के लिए शोभिता ने 9 साल पहले इंटरव्यू दिया था। इस फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। वहीं, 4 दिसंबर 2024 को अभिनेत्री ने नागा चैतन्य के साथ शादी रचाई। इसके अलावा कान फिल्म फेस्टिवल में भी उन्होंने अपने स्टाइलिश लुक्स से खूब लाइमलाइट लूटी।

बेबी जॉन का हिस्सा बन पछता रही हैं कीर्ति सुरेश?

फ्लॉप के कगार पर डेब्यू फिल्म

वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी की मुख्य भूमिकाओं वाली बॉलीवुड एक्शन ड्रामा बेबी जॉन को लेकर चर्चा चरम पर थी। एटली ने इसे क्रिसमस के अवसर पर रिलीज करने का फैसला किया, जिससे इसे छुट्टियों का फायदा मिल सके। हालांकि, फिल्म की कमाई निर्माताओं की चिंता बढ़ाने वाली है। कलेक्शन को देख साफ हो रहा है कि बेबी जॉन जल्द ही फ्लॉप की सूची में शुमार हो जाएगी। जानकारी हो कि कीर्ति सुरेश ने इसके साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू किया है और जाहिर सी बात है कि कारोबार को देख उन्हें अपने फिल्म के चयन पर निराशा होना लाजमी है। कलीस के निर्देशन में बनी फिल्म बेबी जॉन में सलमान खान का भी कैमियो है। हालांकि, इतना मसाला और एक्शन भी फिल्म के कमजोर निर्देशन को बचा पाने के लिए काफी नहीं रहा है। बेबी जॉन ने अपने रिलीज डे पर महज 11.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया और दूसरे दिन ही इसकी कमाई में 57.78 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। फिल्म का दूसरे दिन का कलेक्शन महज 4.75 करोड़ रुपये रहा।

फ्लॉप के कगार पर वरुण की फिल्म

वहीं, तीसरे दिन की कमाई निर्माताओं की चिंता बढ़ाने के लिए काफी थी। कारोबार में दूसरे दिन के मुकाबले 24.42 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और इसका शुक्रवार तक का टोटल महज 19.64 करोड़ रुपये ही हो पाया। कोविड-19 के बाद, ओटीटी प्लेटफॉर्म की बढ़ती लोकप्रियता के कारण बॉलीवुड में कई रीमेक बेकार हो गए और अब बेबी जॉन इस सूची में शामिल होने के लिए तैयार है। रीमेक का विचार नहीं आया काम थेरी हिंदी दर्शकों के बीच भी एक लोकप्रिय फिल्म है और 2024 में इसका रीमेक बनाना निश्चित रूप से कोई अच्छा विचार नहीं है। शुक्रवार तक फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट दर्ज की गई है और चलन के अनुसार, बेबी जॉन के लिए शनिवार और रविवार को ठोस आंकड़े पेश करना एक चुनौतीपूर्ण काम होगा।

अधर में लटका कीर्ति सुरेश का हिंदी करियर

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश बीते कुछ समय से अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड एंथनी से शादी को लेकर चर्चा में थीं। साथ ही दर्शक उन्हें उनकी पहली हिंदी फिल्म बेबी जॉन में देखने के लिए काफी उत्साहित थे। हालांकि, उम्मीदों पर पानी फिर गया है। वहीं, रिपोर्ट्स की मानें तो कीर्ति भी बेबी जॉन को चुनने के अपने फैसले पर पछता रही हैं। कीर्ति की भूमिका को निर्माताओं द्वारा काफी प्रचारित किया गया था। हालांकि, इन सबके बावजूद बेबी जॉन ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है और इसे फ्लॉप माना जा सकता है। देखना यह होगा कि कीर्ति अपने हिंदी फिल्म करियर को किस तरह आगे बढ़ाती हैं।

मनोज बाजपेयी ने फैमिली मैन 3 की शूटिंग की खत्म

हाल ही में एक्टर मनोज बाजपेयी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने क्लैपरबोर्ड की एक तस्वीर पोस्ट की। इसके जरिए उन्होंने बताया है कि वह द फैमिली मैन 3 की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। द फैमिली मैन 3 की शूटिंग मनोज बाजपेयी पूरी कर चुकी हैं, यह बताने के लिए उन्होंने इंस्टा स्टोरी का सहारा लिया है, जिस पर एक कैप्शन भी लिखा है-शूटिंग पूरी हुई। फैमिली मैन 3 के लिए, थोड़ा इंतजार कीजिए।

काफी पॉपुलर है सीरीज

द फैमिली मैन की सीरीज को दर्शक काफी पसंद करते हैं। इसे राज निदिमोरू और कृष्णा डीके द्वारा प्रोड्यूस, डायरेक्ट किया गया है। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज होती है। इसमें मनोज बाजपेयी के अलावा प्रियामणि, शारिब हाशमी, अश्लेषा ठाकुर और वेदांत सिन्हा जैसे कलाकार है, जो सीजन 3 में भी नजर आएंगे। प्रियामणि की बात करें तो वह साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं, इस सीरीज में वह श्रीकांत यानी मनोज बाजपेयी के किरदार की पत्नी की भूमिका में नजर आई हैं। यह किरदार भी काफी हटकर रहा है। वहीं शारिब हाश्मी के रोल को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया है, वह मनोज बाजपेयी के किरदार के दोस्त और सहयोगी बने हैं।

स्पॉय एजेंट की कहानी

सीरीज 'फैमिली मैन 3' में मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का किरदार निभाया है, जो कि दुनिया की नजर में आम आदमी है लेकिन असल में एक स्पॉय एजेंट हैं। सीरीज में एक्शन, ड्रामा भरपूर रहा है। 'फैमिली मैन 3' में दर्शकों को पहले सीजन की तरह की एंटरटेन करेगा। इसका पहला सीजन 2019 में आया था, वहीं दूसरा सीजन 2021 में आया। दर्शकों से लेकर आलोचकों तक ने इस सीरीज को खूब सराहा। मनोज बाजपेयी भी इस सीरीज में अपनी अभिनय क्षमता का पूरा उपयोग करने में कामयाब रहे हैं। यह सीरीज उनके दिल के काफी करीब है।

आयुष्मान की हीरोइन बनने के लिए सारा और तृप्ति में कांटे की टक्कर

जाने-माने फिल्म निर्माता सूरज बड़जात्या ने कथित तौर पर अपनी अगली फिल्म के लिए आयुष्मान खुराना को बतौर मुख्य अभिनेता चुना है। हालांकि, इस फिल्म का शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे लेकर आए दिन कोई न कोई बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। इसी बीच इसका हिस्सा बनने वालीं अभिनेत्री को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है।
जानकारी के अनुसार, अब तक बिना शीर्षक वाली इस फिल्म की मुख्य अभिनेत्री की रेस में सारा अली खान और तृप्ति डिमरी सबसे आगे चल रही हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय जनवरी में लुक टेस्ट और आयुष्मान खुराना के साथ उनकी केमिस्ट्री पर निर्भर करेगा। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्र के मुताबिक, सारा में चार्म और मेनस्ट्रीम की अपील है जो राजश्री यूनिवर्स के साथ मेल खा सकती है, जबकि बुलबुल (2020) और काला (2022) में तृप्ति डिमरी का शानदार प्रदर्शन उन्हें इस भूमिका के लिए मजबूत उम्मीदवार बनाता है।

आयुष्मान के साथ बनेगी किसकी जोड़ी?

आयुष्मान खुराना पहले से ही सारा के साथ एक और फिल्म कर रहे हैं, जबकि अगर वह तृप्ति के साथ मिलकर काम करते हैं तो यह एक नई जोड़ी होगी। इसी बीच तृप्ति डिमरी हुसैन उस्तारा पर विशाल भारद्वाज की फिल्म और दो अन्य परियोजनाओं में व्यस्त हैं।

बढ़ गए कार्तिक के भाव, फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी के लिए मांगी 50 करोड़ फीस

कार्तिक आर्यन इस समय बॉलीवुड में सबसे ज्यादा डिमांड में हैं। वह सफलता के शिखर पर बैठे हैं। इसका कारण है कि साल 2024 में कार्तिक ने हिट फिल्म 'भूल भुलैया 3' दी है। फिल्म को कार्तिक ने अपने दम पर चलाया है। यही कारण है कि कई फिल्मों के ऑफर उनके पास आ रहे हैं। जिनमें से एक धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी भी है। हालिया सामने आई कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कार्तिक धर्मा प्रोडक्शन की इस फिल्म के लिए बहुत ही ज्यादा फीस ले रहे हैं।

बढ़ा दी है कार्तिक ने अपनी फीस

फिल्म 'भूल भुलैया 3' हिट होने के बाद कार्तिक आर्यन ने अपनी फीस बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी के लिए वह 50 करोड़ रुपये फीस ले रहे हैं। इतनी फीस धर्मा वाले नामी एक्टर्स को देते हैं।

कार्तिक ने नहीं की है पुष्टि

50 करोड़ रुपये फीस लेने की बात की अभी तक पुष्टि कार्तिक आर्यन की तरफ से नहीं हुई है। धर्मा प्रोडक्शन के करण जौहर ने भी इस पर कोई बयान नहीं दिया है।

पहले भी करने वाले थे एक फिल्म

कार्तिक आर्यन कुछ साल पहले भी फिल्म 'दोस्ताना 2' करण जौहर के प्रोडक्शन के साथ करने वाले थे। लेकिन आपसी मतभेदों के कारण कार्तिक ने करण की यह फिल्म नहीं की है। अब दोनों फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी के लिए साथ आए हैं। इस फिल्म को समीर विद्वांस डायरेक्टर रहे हैं।

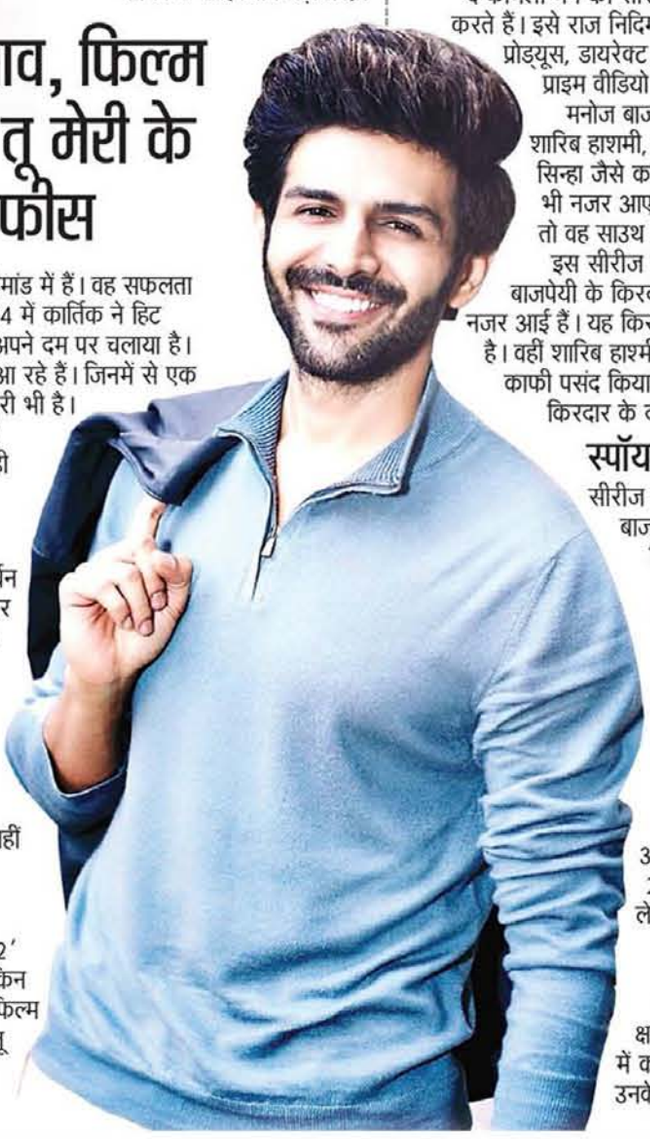

फीस के मामले में साउथ एक्टर्स अव्वल बॉलीवुड स्टार रह गए पीछे

साल 2024 समाप्त होने वाला है। फिल्म जगत के लिए यह साल सामान्य रहा। कुछ फिल्मों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया तो कुछ फ्लॉप रहीं। बॉलीवुड और साउथ दोनों ही उद्योगों ने कई शानदार फिल्में दीं, जो दर्शकों को काफी पसंद आईं। बॉक्स ऑफिस पर इस साल कई पुराने रिकॉर्ड टूटे और कई नए रिकॉर्ड बने। पहले 'स्त्री 2' ने रिकॉर्ड तोड़े और अब 'पुष्पा 2' की आंधी में सब कुछ उड़ रहा है। आइए जानते हैं इस साल किस अभिनेता ने फीस के मामले में रिकॉर्ड कायम किया, किसने कितनी फीस ली।

इस साल साउथ के स्टार्स ने फीस के मामले में बॉलीवुड सितारों को पीछे छोड़ दिया और अपनी फिल्मों के लिए मोटी रकम वसूली। इस लिस्ट में दक्षिण भारतीय अभिनेताओं ने शीर्ष पर कब्जा जमाए रखा है।

अल्लू अर्जुन

सबसे ज्यादा फीस लेने वालों की सूची में पहला नाम है अल्लू अर्जुन का। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपनी फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' के लिए 300 करोड़ रुपये की मोटी रकम वसूली है।

विजय

दूसरे नंबर पर साउथ के सुपरस्टार विजय आते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपनी फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' के लिए 200 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं।

कमल हासन

कमल हासन की फिल्म 'इंडियन 2' भले ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन ना कर पाई हो, लेकिन अभिनेता ने इस फिल्म के लिए कथित तौर पर 150 करोड़ रुपये की फीस ली है।

रजनीकांत

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार रजनीकांत ने फिल्म 'वेट्टैयन' के लिए 125 करोड़ रुपये की रकम वसूली। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। जबकि, इस फिल्म में रजनीकांत के साथ अमिताभ बच्चन भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आए थे।

प्रभास

'कल्कि 2898 एडी' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म को काफी सराहनाएं मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता प्रभास ने अपनी इस फिल्म के लिए 80 करोड़ रुपये लिए थे।

महेश बाबू

महेश बाबू साल 2024 में अपने प्रशंसकों के लिए फिल्म 'गुंटूर कारम' लेकर आए। समीक्षकों ने फिल्म की सराहना की और प्रशंसकों का भी प्यार इसे मिला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए महेश बाबू ने 78 करोड़ रुपये फीस ली थी।

जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा' ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत शानदार प्रदर्शन नहीं कर पाई। इस फिल्म के लिए जूनियर एनटीआर ने 60 करोड़ रुपये वसूले थे। उनके साथ अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी फिल्म में नजर आई थीं।

कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 3' इस साल बॉलीवुड की हिट फिल्मों में से एक है। बॉक्स ऑफिस पर इसने शानदार प्रदर्शन किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक कार्तिक आर्यन ने इस फिल्म के लिए 40 से 50 करोड़ रुपये लिए थे।

अजय देवगन

अजय देवगन अभिनीत और रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित फिल्म 'सिंघम अगेन' बॉक्स ऑफिस पर जूझती दिखी। यह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। रिपोर्ट्स के मुताबिक अजय देवगन ने इस फिल्म के लिए 35 करोड़ रुपये चार्ज किए।

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत की जीवंत झांकी साबित होगा महाकुंभ'

दिल्ली (एजेंसी)। योगी सरकार महाकुंभ-2025 को भारतीय संस्कृति और एकता का वैश्विक प्रतीक बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में, वित्त एवं संसदीय कार्य, मंत्री सुरेश खन्ना ने दिल्ली में एक भव्य रोडशो का नेतृत्व किया। उन्होंने महाकुंभ के आयोजन को भारत की विविधता में एकता का अद्वितीय उत्सव बताते हुए दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री आतिशी तथा वहां की सम्मानित जनता को प्रयागराज महाकुंभ-2025 में आने का आमंत्रण दिया। वित्त एवं संसदीय कार्य, मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि महाकुंभ, भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक चेतना का स्पंदन है। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत-समावेशी भारत' की दिव्य और जीवंत झांकी है।

वित्त एवं संसदीय कार्य, मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि इसे स्वस्थ महाकुंभ के दृष्टिकोण से भी तैयार किया जा रहा है जिसमें आने वाले तीर्थयात्रियों, साधु, संतों, कल्पवासियों और पर्यटकों के स्वास्थ्य देखभाल की भी व्यवस्था है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की बड़े पैमाने पर तैनात किया गया है। परेड ग्राउंड में 100 बेड का अस्पताल बनाया गया है। 20 बेड के दो और 8 बेड के छोटे अस्पताल भी तैयार किए गए हैं। मेला क्षेत्र और अरैल में 10-10 बेड के दो आईसीयू, आर्मी हॉस्पिटल की ओर से बनाए गए हैं। इन अस्पतालों में 24 घंटे डॉक्टरों की तैनाती रहेगी। इसके दृष्टिगत 291 एमबीबीएस व स्पेशलिस्ट, 90 आयुर्वेदिक और यूनानी विशेषज्ञ और 182 स्टॉफ नर्स की व्यवस्था है। यही नहीं अस्पतालों में पुरुष, महिला और बच्चा वार्ड अलग-अलग तैयार किए गए हैं। डिलीवरी रूम, इमरजेंसी वार्ड और डॉक्टर्स रूम भी रहेंगे।

डिजिटल महाकुंभ का भी अनुभव करेंगे श्रद्धालु- सुरेश खन्ना

पत्रकारों को संबोधित करते हुए श्री सुरेश खन्ना ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार दिव्य, भव्य एवं डिजिटल महाकुंभ के लिए प्रतिबद्ध है। महाकुंभ की वेबसाइट, ऐप, 11 भाषाओं में एआई चैट बॉट, लोगों एवं वाहनों के लिए क्यूआर आधारित पास, बहुभाषीय डिजिटल खोया-पाया केंद्र, स्वच्छता एवं टेंटों की आईसीटी निगरानी, भूमि और सुविधा आवंटन के लिए सॉफ्टवेयर, बहुभाषीय डिजिटल साइनेज वीएमडी, स्वचालित राशन आपूर्ति प्रणाली, ड्रोन आधारित निगरानी एवं आपदा प्रबंधन, 530 परियोजनाओं की निगरानी का लाइव सॉफ्टवेयर, इन्वेंटरी ट्रैकिंग सिस्टम और सभी स्थलों का गूगल मैप पर एकीकरण किया गया है।

सुरेश खन्ना ने कहा कि पर्यटकों को वहां पार्किंग की समस्या से न जूझना पड़े इसकी भी व्यवस्था है। इसके दृष्टिगत 101 स्मार्ट पार्किंग बनाए गए हैं, जिनमें प्रतिदिन पांच लाख वाहन पार्क किए जा सकेंगे। 1867.04 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला पार्किंग स्थल 2019 के 1103.29 हेक्टेयर के सापेक्ष 763.75 हेक्टेयर बड़ा है। इन पार्किंग स्थल की निगरानी इंट्रीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर के माध्यम से की जाएगी।

पत्रकार वार्ता में वित्त एवं संसदीय कार्य, मंत्री सुरेश खन्ना ने महाकुंभ की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि महाकुंभ नगरी में 35 पुराने और 9 नए पक्के घाट बनाए गए हैं, जो श्रद्धालुओं के स्नान में काफी सहायक साबित होंगे। 12 किलोमीटर क्षेत्र में फैले सभी 44 घाटों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुंबई की मरीन ड्राइव की तर्ज पर गंगा किनारे लगभग 15.25 किलोमीटर क्षेत्र में संगम से नागवासुकी मंदिर तक, सूरदास से छतनाग तक, कर्जन ब्रिज के समीप से महावीर पुरी तक रिवर फ्रंट का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा इंट्रीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर को अपग्रेड किया गया है। इससे भीड़ प्रबंधन में सहायता मिलेगी। सीसीटीवी कैमरों को देखने के लिए 52 सीटर चार व्यूइंग सेंटर स्थापित किए गए हैं।

वित्त एवं संसदीय कार्य, मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ- 2025 में लगभग 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, जो एक बड़ा कीर्तिमान होगा। इन तकनीकी विधियों से हर व्यक्ति की गिनती की जाएगी। पहली विधि एट्रिब्यूट आधारित खोज है। इसके अंतर्गत पर्सन एट्रिब्यूट सर्च कैमरों के आधार पर ट्रैकिंग की जाएगी। दूसरी विधि आरएफआईडी रिस्ट बैंड है, इसके तहत तीर्थयात्रियों को रिस्ट बैंड प्रदान किए जाएंगे, आरएफआईडी (RFID) रीडर, रिस्ट बैंड के माध्यम से अंदर और बाहर जाने का समय की ट्रैकिंग की जाएगी। वहीं तीसरी विधि मोबाइल ऐप द्वारा ट्रैकिंग है। इसके माध्यम से तीर्थयात्रियों की सहमति पर मोबाइल ऐप के जीपीएस लोकेशन के माध्यम से लोकेशन ट्रैकिंग की जाएगी।

संयुक्त किसान मोर्चा में पड़ी दरार, नदारद रहे तीन संगठन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संयुक्त किसान मोर्चा के 11 संगठन में तीन प्रमुख

संगठन ने अपने आप को आंदोलन से अलग कर लिया है। सोमवार को हुई महापंचायत में तीनों संगठन के नेता व कार्यकर्ता नजर नहीं आए। जिसका असर महापंचायत में जुटी भीड़ में भी देखने को मिला। तीनों संगठन के अलग होने के पीछे आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है।

सोमवार को हुई महापंचायत में किसान सभा, किसान एकता संघ व किसान परिषद के नेता व कार्यकर्ता नहीं पहुंचे। किसान सभा के रूपेश वर्मा अभी जेल में ही बंद हैं लेकिन उनके संगठन के लोग नहीं पहुंचे। सोरन प्रधान व सुखवीर खलीफा जेल से बाहर आ चुके हैं लेकिन वह भी अपने साथियों के साथ महापंचायत में नहीं पहुंचे। तीनों संगठन के न आने पर चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। किसान नेताओं ने बताया कि अलग हुए तीनों संगठन के नेताओं के द्वारा यह आरोप लगाया जा रहा है कि जेल में बंद रहने के दौरान उन्हें छुड़ाने के लिए अन्य संगठन ने उन्हें छुड़ाने के लिए कोई प्रयास नहीं किए। साथ ही आरोप लग रहा है कि कुछ किसान संगठन के नेता अधिकारियों से मिल गए। एक किसान नेता का कहना है कि सोरन प्रधान व सुखवीर खलीफा से बात हुई थी, उन्होंने रूपेश वर्मा के जेल से आने के बाद आगे का निर्णय लेने की बात कही है।

सरस्वती शिशु मंडल के अध्यक्ष को बदलने की मांग ने जोर पकड़ा, हाईकमान से की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ने जिला व महानगर अध्यक्षों की घोषणा के पूर्व तकरीबन अधिकांश जिलों में मंडल अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इसी कड़ी में नोएडा महानगर में भी 8 में से 7 मंडल अध्यक्षों व मंडल प्रतिनिधियों की भी घोषणा हो गई है। लेकिन अभी भी सरस्वती शिशु मंडल को लेकर पेंच फंसा हुआ है। अधिकांश बूथ अध्यक्ष व भाजपा कार्यकर्ता इस मंडल में बदलाव चाहते हैं।

वर्तमान में सरस्वती शिशु मंडल में सत्य नारायण महावर मंडल अध्यक्ष हैं। 11 दिसंबर को चुनाव अधिकारी ने 3-3 दावेदारों के नाम हाईकमान को भेजे थे। उसमें सत्यनारायण महावर के अलावा मंडल के महामंत्री दीपक शर्मा की भी दावेदारी काफी मजबूती से रखी गयी थी।

इस मंडल के अधिकांश बूथ अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी सत्य नारायण महावर के स्थान पर दीपक शर्मा को मंडल अध्यक्ष बनाये जाने की वकालत कर रहे हैं। वहीं मंडल के पूर्व पदाधिकारी तथा भाजपा के अन्य सदस्य का झुकाव भी दीपक शर्मा की तरफ अधिक है।

इस मंडल के कार्यकर्ताओं का कहना है कि सत्यनारायण महावर का व्यवहार ठीक नहीं है तथा कार्यकर्ता उनसे संतुष्ट नहीं हैं। वहीं दीपक शर्मा का अनुभव व सक्रियता भी पार्टी में सत्यनारायण महावर से अधिक है। इसलिए इस मंडल में अध्यक्ष पद का बदला जाना बेहद जरूरी है।

कई कार्यकर्ताओं का कहना है कि हाईकमान मौजूदा मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण महावर को हटाकर किसी नये चेहरे को यह जिम्मेदारी सौंपे।

जिम्स के अगले निदेशक को लेकर 39 लोगों ने दिया साक्षात्कार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 1 दिसंबर को 39 लोगों का साक्षात्कार होने के बावजूद शासन से नये निदेशक की घोषणा का इंतजार है। पूर्व निदेशक सहित कई नामचीन चिकित्सक दौड़ में शामिल हैं।

ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स को नया निदेशक कब तक मिलेगा? गत 20 जुलाई से खाली चल रहे इस पद को भरने के लिए गत 1 दिसंबर को 39 आवेदकों का साक्षात्कार लेने के बावजूद उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अभी तक इस संस्थान के नये निदेशक के नाम की घोषणा न करने से इंतजार की घड़ियां लंबी होती जा रही हैं। आवेदकों में पूर्व निदेशक सहित देश के कई जाने-माने चिकित्सक शामिल बताए गए हैं।

ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स अपने पूर्णकालिक नये निदेशक की बाट जोह रहा है।2018 से नियुक्त और इस संस्थान को काफी ऊंचाइयों पर ले जाने वाले ब्रिगेडियर डॉ राकेश कुमार गुप्ता का कार्यकाल 20 जुलाई 2024 को समाप्त हो गया था। फौरी तौर पर संस्थान के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सौरभ श्रीवास्तव को ही कार्यवाहक निदेशक का कार्यभार भी शासन द्वारा सौंप दिया गया था।तब से वही बतौर कार्यवाहक निदेशक जिम्स को संचालित कर रहे हैं। शासन स्तर पर इस महत्वपूर्ण संस्थान को स्थाई निदेशक देने के लिए आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया लगभग तीन महीने पहले शुरू की गई। इस पद पर नियुक्त होने के लिए लगभग चार दर्जन लोगों ने आवेदन किए। इनमें से 39 लोगों को गत 1 दिसंबर को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया। एक ही दिन में सभी आवेदकों का साक्षात्कार संपन्न भी हो गया। इसके बावजूद सफल आवेदक की घोषणा आज तक नहीं की गई है। इस पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वालों में पूर्व निदेशक ब्रिगेडियर डॉ राकेश कुमार गुप्ता, वर्तमान कार्यवाहक निदेशक डॉ सौरभ श्रीवास्तव,जिम्स की ही एक और पूर्व निदेशक संगीता अनेजा,जिम्स के ही एक प्रोफेसर डॉ आईजेन भट्टाचार्य सहित एम्स दिल्ली के भी कई जाने-माने चिकित्सक व पूर्व निदेशक शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इस पद पर नियुक्ति के लिए शासन स्तर पर आवेदकों के बीच जोर आजमाइश के चलते जिम्स को नया निदेशक मिलने में देरी हो रही है। सूत्रों के अनुसार इस पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे तीन लोगों में पूर्व निदेशक ब्रिगेडियर डॉ राकेश कुमार गुप्ता का नाम भी शामिल है।

80 वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए

नोएडा (चेतना मंच)। लक्ष्मी नारायण मंदिर-सेक्टर-56, में नववर्ष के आगमन को मनाने के लिए सम्पूर्ण रामायण के पाठ के समापन व विशाल भंडारे का आयोजन के अवसर पर मंदिर समिति ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान कार्ड्स बनाने के लिए प्रात: 11 बजे से एक कैम्प का आयोजन 'जन सेवा केंद्र' के सहयोग से किया। इस कार्ड का प्रावधान प्रधान मंत्री मोदी जी की सरकार द्वारा 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'आयुष्मान भारत योजना' के अंतर्गत है और जिसमें 5 लाख तक की नि:शुल्क चिकित्सा देश भर के उन हॉस्पिटल में जो इस योजना में पंजीकृत हैं किया जा रहा है। 79 वरिष्ठ नागरिक इसका लाभ उठा चुके हैं। इन वरिष्ट नागरिकों में समिति के प्रधान आर एन गुप्ता व उनकी पत्नी, महामंत्री ओ पी गोयल आदि सम्मिलित थे।

इस मौके पर मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष जीके बंसल को मंदिर कमिटी के अन्य मैनेजिंग ट्रस्टीज जेएम सेठ, आर के भट्ट, हरीश सभरवाल, अम्बेश भांबरी, संजीव बाँधा, अशोक गुप्ता, आईके खांडपुर, आदि ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

'नेकी का डब्बा' फाउंडेशन ने वीर बाल दिवस पर किया 7,000 कपड़ों का वितरण

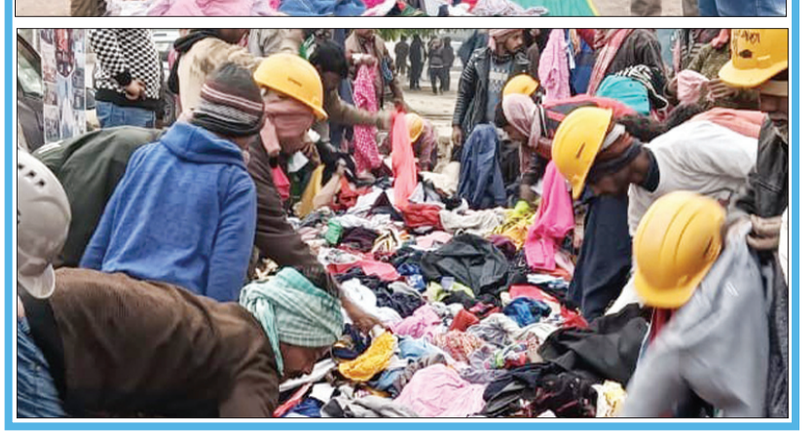

ग्रेटर नोएडा वेस्ट (चेतना मंच)। गुरु गोबिंद सिंह के चार वीर साहिबज़ादों- अजीत सिंह, जुझार सिंह, ज़ोरावर सिंह और फ़तेह सिंह के अद्वितीय बलिदान और साहस को श्रद्धांजलि देते हुए, 'नेकी का डब्बा फाउंडेशन' ने वीर बाल दिवस के अवसर पर जरूरतमंदों के बीच 7,000 से अधिक कपड़ों का वितरण किया। यह वितरण 'आपकी उतरन किसी की जरूरत' अभियान के तहत ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित CRC Joyous के निर्माणाधीन सेवा बस्ती में किया गया।

फाउंडेशन के संस्थापक, गिरीश शुक्ला ने बताया कि यह अभियान 101 दिनों तक चलेगा, जिसके अंतर्गत दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न इलाकों में वंचित वर्गों तक 50,000 से अधिक कपड़े पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

'नेकी का डब्बा फाउंडेशन' जरूरतमंदों के उत्थान और समाज के वंचित वर्गों की मदद के लिए निरंतर कार्यरत है। फाउंडेशन भविष्य में भी इसी प्रकार के आयोजन कर समाज सेवा में योगदान देता रहेगा।

इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें हर्षवर्धन मिश्रा, रजत अग्रवाल, कमल किशोर, वैभव तिवारी, ददन सिंह, परमानंद अग्रवाल, सचिन ठाकुर, सचिन सेंगर, उर्वशी मसंद, तेजपाल प्रजापति, भावना चौहान, भावेन सिंह, नरेंद्र पाल सिंह और अन्य शामिल थे।